ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

वर्ष - 05, अंक -49 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 06 अगस्त से 12 अगस्त (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जेन-ज़ेड को टारगेट करने का प्लान! जैश आतंकी हमीम मंडल, अर्पिता से पूछताछ

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के मुताबिक, गिरफ्तार किए दो लोग, हमीम मंडल और अर्पिता से पूछताछ में जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआई से उनके कथित लिंक के बारे में कई अहम सुराग मिले हैं. एनआईए अधिकारियों को शक है कि बंगाल के युवाओं को टारगेट करके एक कट्टरपंथी नेटवर्क बनाने की एक संगठित प्रयास चल रहा था. इसके बारे में विस्तार से पता लगाने के लिए उनसे कड़ी पूछताछ जारी है. पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कथित जासूसी नेटवर्क की जांच के सिलसिले में सोमवार को हावड़ा से आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध गुर्गे हमीम मंडल के एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान आदित्य सिंह उर्फ राज उर्फ राजू के रूप में हुई है

शेख हसीना की पार्टी पर लगी पाबंदियां हटे तसलीमा नसरीन

कोलकाता। बांग्ला की प्रसिद्ध लेखिका तसलीमा नसरीन ने आज कहा कि, बांग्लादेश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी पर लगी पाबंदियां हटाना चाहिए और उन्हें दोबारा राजनीति में आने दिया जाना चाहिए। तसलीमा ने धर्म आधारित राजनीति का विरोध करते हुए कहा कि यह महिलाओं के अधिकारों और समाज, दोनों के लिए नुकसानदेह है। तसलीमा नसरीन ने उक्त बात उत्तर 24 परगना जिले के सोदपुर स्थित पानीहाटी उच्च बालिका विद्यालय में महिला शिक्षा की अग्रदूत बेगम रुकैया सखावत हुसैन की समाधि पर पुष्प अर्पित करने के बाद कही। तसलीमा नसरीन ने अपने वतन बांग्लादेश लौटने को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी वापसी अभी भी अनिश्चित है। तसलीमा ने कहा कि यदि जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। उनके अनुसार, यह संगठन शरीयत कानून और महिला विरोधी नीतियों का समर्थन करता है, जो महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए खतरा बन सकती हैं।

आसाराम को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू संत आसाराम की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान एम्स ने कोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट दाखिल की। एम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आसाराम को फिलहाल अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, उनकी सेहत को देखते हुए 24 घंटे प्रशिक्षित देखभाल करने वालों (केयरगिवर्स) की मदद जरूरी है। इस रिपोर्ट में ये बताया गया है कि आसाराम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई एम्स की रिपोर्ट में आसाराम की बीमारियों का भी जिक्र किया गया है।

मोदी सरकार ने संसद में नया विधेयक पेश किया

2000 रुपये यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगेगा-सरकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

ऑनलाइन ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने वाली मोदी सरकार अब उसे सरकारी तिजोरी भरने का जरिया के रूप में इस्तेमाल करने जा रही है। जी हां मोदी सरकार यूपीआई पेमेंट के नियम में संशोधन करने जा रही है। इसके तहत 2000 रुपये से लेकर उससे अधिक के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगेगा। मोदी सरकार ने संसद में नया विधेयक पेश किया है, जिसके तहत एमडीआर चार्ज की वापसी हो रही है। इसके तहत 2000 रुपये के ऊपर पेमेंट पर चार्ज देना होगा। वित्त मंत्रालय ने संसद में भुगतान और निपटान प्रणाली (संशोधन) विधेयक, 2027 पेश किया है। इस बिल के तहत मर्चेंट डिस्काउंट रेटलागू करने की बात कही गई है। यह चार्ज 2000 रुपये से ज्यादा की लिमिट पर लागू किया जा सकता है। इसका मतलब लोगों को एमडीआर चार्ज देना होगा। हालांकि राहत वाली बात यह है कि यह सभी लोगों पर लागू नहीं होगा। आम यूजर्स पर इसका कोई असर नहीं होगा। यह चार्ज सिर्फ बड़े व्यवसाय से जुड़े लोगों पर लगेगा। दूध, सब्जियां, किराने का सामान जैसी रोजमर्रा की खरीदारी और ऑटो रिक्शा व टैक्सी के किराए पर इसका असर पड़ने की संभावना नहीं है। मीडियो रिपोर्टस के मुताबिक यह प्रस्ताव मुख्य रूप से 2,000 से अधिक के व्यापारी लेनदेन और बड़े कमर्शियल संस्थानों को टारगेट करता है। इससे कंज्यूमर टू कंज्यूमर्स के बीच हुए ट्रांजेक्शन को

छूट होगी। अगर आप 2000 रुपये से ज्यादा का भी पेमेंट करते हैं तो आपको कोई चार्ज नहीं देना होगा। सामान्य यूपीआई सीमा 1 लाख प्रतिदिन पेमेंट कर सकते हैं और कुछ स्पेशल कैटेगरी (जैसे अस्पताल, शिक्षा, टैक्स) में इससे कहीं अधिक सीमा तक पेमेंट कर सकते हैं। यह मुख्य तौर पर बैंक, यूपीआई सर्विस प्रोवाइडर, मर्चेंट पेमेंट इकोसिस्टम, भीम यूपीआई के माध्यम से छोटे भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारियों पर पड़ता है, क्योंकि इंसेंटिव इन्हीं ट्रांजेक्शनों के आधार पर दिया जाता है। एक आंकड़े के मुताबिक, 95 फीसदी 2000 रुपये से ज्यादा की लिमिट से कम वाले ही ट्रांजेक्शन होते हैं। सिर्फ 5 फीसदी ही ट्रांजेक्शन 2000 रुपये से ज्यादा का होता है। इसका मतलब है कि इन 5 फीसदी ही मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर ये चार्ज लागू होगा। रिपोर्ट के अनुसार, 2000 रुपये से ऊपर के व्यावसायिक लेन-देन पर प्रस्तावित शुल्क 0.25 प्रतिशत से 0.4 प्रतिशत तक हो सकता है, और 25-30 बेसिस पॉइंट्स तक के शुल्क पर भी चर्चा चल रही है। इसके लागू होने की समयसीमा पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। एमडीआर एक ऐसा शुल्क है, जो व्यवसाय, डिजिटल लेनदेन करने के लिए बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को देते हैं। इसलिए कोई भी शुल्क व्यापारियों पर लागू होगा, न कि पीआई का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं पर। यह नियम जनवरी 2020 में शुरू होने वाला था।

गलतियां बताए तो राम-विरोधी, करप्शन बताए तो देश-विरोधी! संसद के बाहर कांग्रेस का बड़ा मार्च

दिल्ली में मानसून सत्र के दौरान आज भी संसद के बाहर विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी सांसदों ने प्रेरणा स्थल पर गांधी जी की प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने मार्च के दौरान कहा कि हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सदन में आएं और बयान दें। अगर चर्चा होती है, तो हम उसमें शामिल होने को तैयार हैं। चर्चा से ही समाधान निकल सकता है। अगर चर्चा नहीं होगी, तो वे घर पर बैठकर बयान देंगे या चुप रहेंगे। ऐसा कैसे हो सकता है? वे संसद का अपमान कर रहे हैं। वे सदन के अंदर नहीं आना चाहते। संसद शुरू हुए इतने दिन हो गए हैं। हम चर्चा के लिए तैयार हैं।

ई-20 डीपफेक केस में गडकरी को राहत

सोशल मीडिया प्लेफार्मस तुरंत हटाएं सभी पोस्ट.....

नई दिल्ली। ई-20 डीपफेक केस में नितिन गडकरी को राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नितिन गडकरी के खिलाफ ऑनलाइन डीपफेक पोस्ट को अश्लील, अपमानजनक और मान हानिकारक बताते हुए सोशल मीडिया प्लेफॉर्मस को उन्हें हटाने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने गडकरी को मेटा प्लेटफॉर्म्स, एक्स कॉर्प, गूगल और अनजान ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स के खिलाफ बदनाम करने वाले और एडिट किए गए सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सिविल केस करने की इजाजत दी है। दरअसल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 से जोड़कर सोशल मीडिया पर प्रसारित

मानहानिकारक और डीपफेक कंटेंट के खिलाफ मानहानि याचिका दाखिल की थी। मामले की सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सिंगल बेंच ने Meta, X Corp और Google LLC को निर्देश दिया कि वे तुरंत इन पोस्ट को हटाने का काम करें।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा

अधिग्रहण और मुआवजा दिए बिना जमीन के उपयोग पर नहीं लगाई जा सकती रोक

ठछत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि अधिग्रहण और मुआवजा दिए बिना भूमि के उपयोग पर रोक नहीं लगाई जा सकती। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने आदेश को मनमाना बताया। रायगढ़ जिले में कलेक्टर ने 4 फरवरी 2005 को रायगढ़-रेगपाली, रायगढ़-खरसिया, रायगढ़-सारंगढ़ और रायगढ़-धर्मजयगढ़ राष्ट्रीय राजमार्गों की सेंटर लाइन से 100 फीट के दायरे में आने वाली जमीनों के क्रय-विक्रय और निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया था। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने इस आदेश को मनमाना बताते हुए याचिकाकर्ताओं को राहत दी है। राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने पूर्व फैसले को अलग भूखंडों और अलग याचिकाकर्ताओं से संबंधित बताते हुए वर्तमान मामले में स्वत: लागू नहीं होने की दलील दी। कोर्ट ने पाया कि कानूनी स्थिति पहले ही स्पष्ट की जा चुकी है। हालांकि, शासन की ओर से ऐसा कोई ठोस अंतर नहीं बताया जा सका, जिसके आधार पर वर्तमान मामले में अलग निष्कर्ष निकाला जाता।

हरिकृष्णा पटेल व अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता ने हाईकोर्ट की कोऑर्डिनेट बेंच के 3 फरवरी 2025 के फैसले का हवाला दिया। एकल पीठ ने कहा कि पूर्व में इसी आदेश के संबंध में हाईकोर्ट द्वारा कानूनी स्थिति स्पष्ट की जा चुकी है। वर्तमान मामले में उससे अलग दृष्टिकोण अपनाने के लिए कोई विशिष्ट आधार सामने नहीं आया है।

भूमिस्वामियों को मिली बड़ी राहत

इस निर्णय से उन भूमिस्वामियों को राहत मिली है, जिनकी जमीन राष्ट्रीय राजमार्ग की सेंटर लाइन से 100 फीट के दायरे में होने के कारण लंबे समय से खरीद-बिक्री और निर्माण संबंधी प्रतिबंधों से प्रभावित थी।

सरकार ने दिया था 3 दिन का अल्टीमेटम

पीएम मोदी के वीडियो विवाद पर मेटा सीईओ मार्क ने माफी मांगी

नई दिल्ली/ एजेंसी

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने (चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मैटेरियल) और डीपफेक कंटेंट को लेकर माफी मांगी है। जकरबर्ग ने प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों को लेकर भी खेद जताया है। साथ ही ये भी कहा गया कि कुछ तरह के कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए बड़ी रकम भी खर्च की गई थी। इस दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि कंपनी को इंटरमीडियरी की परिभाषा के तहत संरक्षण नहीं मिलेगा और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत सेफ हार्बर का लाभ लागू नहीं

होगा। मालूम हो कि मार्क जुकरबर्ग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो डिलीट किए जाने के मामले में तीन दिन के भीतर माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया गया था। मार्क जकरबर्ग ने सीएसएएम कंटेंट, डीपफेक कंटेंट तथा प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों को लेकर माफी मांग ली है। उनको सरकार की तरफसे स्पष्ट किया गया कि मेटा को इंटरमीडियरी की परिभाषा के तहत नहीं माना जा सकता, क्योंकि कंपनी ये तय करती है कि कौन सा कंटेंट किस यूजर तक पहुंचेगा। सरकार ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मिलने वाली सेफ हार्बर सुरक्षा इस मामले में लागू नहीं होती है। साथ ही यह भी कहा गया कि कुछ तरह के कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए बड़ी रकम खर्च की गई थी। जकरबर्ग की तद्भफ से इस पर भी माफी मांगी गई और गलती पर खेद जताया गया।

कांग्रेस का आरोप, जवाब से बच रही सरकार इसलिए नहीं चल पा रही संसद

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा मामले में हेराफेरी, संसद में चर्चा की मांग, उत्तर प्रदेश के मदरसा विवाद मुद्दों पर एनडीए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार जवाब नहीं देना चाहती है, इसीलिए सदन नहीं चल पा रहा है। राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष का आरोप है कि इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए और सरकार को आरोपों पर जवाब देना चाहिए। बांकीपुर और दतिया उपचुनाव के परिणामों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि जनता अब भाजपा से थक चुकी है।

अनुच्छेद 370 पर प्रधानमंत्री का बड़ा संदेश

7 साल में बदली जम्मू-कश्मीर की तस्वीर-पीएम नरेन्द्र मोदी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के 7 साल पूरे हो चुके है। इन 7 सालों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में आए बड़े बदलावों को लेकर प्रधानमंत्री ने बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 हटने के 7 साल पूरे होने पर कहा कि इन वर्षों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। इसके साथ ही, पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, सात साल पहले इसी दिन (5 अगस्त को) अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। तब से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे लिखा, बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता व खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जिन्हें दशकों तक उनके बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया था, उन्हें भारत के संविधान के पूर्ण कार्यान्वयन के कारण सशक्त बनाया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस साल 5 अगस्त का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि इसी वर्ष हमारा देश श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है।

साय कैबिनेट की बैठक संपन्न

छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन को मंजूरी दी

- छत्तीसगढ़ में 500 करोड़ का एआई मिशन, 1.5 लाख कर्मचारियों को मिलेगा प्रशिक्षण

रायपुर/ संवाददाता

मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह मिशन 5 वर्षों के लिए होगा, जिस पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस मिशन के तहत – 100 एआई डेटा लैब बनाई जाएंगी, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी, 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज़ बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी। यह मिशन भारत सरकार के IndiaAI Mission के अनुरूप छत्तीसगढ़ को उत्तरदायी, नवाचार-आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बीईएमएल भारत सरकार का एक

प्रतिष्ठित मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम है। हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र हेतु यह राज्य का पहला उद्योग होगा, जिसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ को देश के औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और राज्य में आधुनिक भारी मशीन निर्माण उद्योग की शुरुआत होगी। मंत्रिपरिषद के इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य में बड़े निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। राज्य में संयंत्र की स्थापना से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और छत्तीसगढ़ विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। मंत्रिपरिषद् ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। इस प्रणाली के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, ई-प्राक्कलन, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-मेजरमेंट बुक बिल भुगतान, लेखा प्रबंधन तथा गुणवत्ता की निगरानी जैसी सभी प्रक्रियाएं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित होंगी। सी-डैक पुणे द्वारा विकसित इस प्रणाली को पहले लोक निर्माण विभाग में लागू किया जाएगा, जिसके बाद अन्य निर्माण एवं अधोसंरचना विभागों में भी इसका विस्तार किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, भुगतान की प्रक्रिया तेज होगी, कार्यों की रियल-टाइम निगरानी संभव होगी।

बृजमोहन अग्रवाल-अमित कटारिया विवाद: साव ने लिया सांसद का पक्ष, कहा- अधिकारी सम्मान से करें बात, हिसाब से करें रिस्पांस

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल और आईएएस अमित कटारिया के बीच हुआ विवाद तुल पकड़ चुका है. मामले में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सांसद का पक्ष लेते हुए कहा कि लोकतंत्र में निर्वाचित जनप्रतिनिधि का अपना एक महत्व है. प्रशासनिक अधिकारी सम्मान से जनप्रतिनिधि से बात करें. बातों को सुनें, उस हिसाब से रिस्पांस करें. ये उनका दायित्व है. ये आवश्यक है, और ये करना चाहिए. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 3 साल से जमे कर्मचारियों के तबादले पर सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश पर मीडिया से चर्चा में कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के पहले से ही निर्देश हैं.

मनरेगा से जल संरक्षण की अनूठी पहल : ग्राम पंचायत नगपुरा में दो हजार जल अवशोषण ट्रेंच बने प्रेरणादायी मॉडल

वर्षा जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभिनव पहल

दुर्ग। संचालित 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत जनपद पंचायत दुर्ग की ग्राम पंचायत नगपुरा में मनरेगा अंतर्गत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (जल संरक्षण एवं जल संवर्धन) के तहत विकसित आंवला बगीचे में लगभग 2000 जल अवशोषण ट्रेंच का निर्माण कर वर्षा जल संरक्षण का अनुकरणीय मॉडल विकसित किया गया है।

इस अभिनव पहल से वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होने के साथ भू-जल पुनर्भरण, पर्यावरण संरक्षण तथा करौंदा बगीचे की उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्व में वर्षा ऋतु के दौरान करौंदा बगीचे में गिरने वाला अधिकांश वर्षा जल बहकर नालों के माध्यम से नदी में चला जाता था, जिससे

मिट्टी में पर्याप्त नमी नहीं रह पाती थी और पौधों की वृद्धि प्रभावित होती थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए पौधों की कतारों के बीच वैज्ञानिक पद्धति से लगभग दो हजार जल अवशोषण ट्रेंच का निर्माण कराया गया, जिससे वर्षा जल उसी स्थान पर रुककर धीरे-धीरे भूमि में समाहित हो सके। तकनीकी सहायक दीप्ति सिंह द्वारा बताया गया प्रत्येक ट्रेंच की क्षमता लगभग 2 घन मीटर है। इस प्रकार एक बार की अच्छी वर्षा में लगभग 4000 घन मीटर जल का संरक्षण संभव है। यदि वर्षा ऋतु में ट्रेंच कई बार भरते हैं, तो अनुमानित 1.20 लाख घन मीटर वर्षा जल का भू-जल पुनर्भरण किया जा सकता है। इससे भू-जल स्तर में सुधार, मृदा संरक्षण, प्राकृतिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन तथा भविष्य में सिंचाई एवं पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय श्रमिकों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार मिला, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होने के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जनभागीदारी भी मजबूत हुई। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि ग्राम पंचायत नगपुरा में विकसित यह मॉडल वर्षा जल के वैज्ञानिक प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण आजीविका संवर्धन का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस प्रकार की नवाचार आधारित पहल अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

33 दिन से बंद अंडरब्रिज, सिरसा गेट में 'खानापूर्ति' का आरोप, सुजीत बघेल ने रेलवे प्रशासन को घेरा

भिलाई। भिलाई-3 के सिरसा गेट अंडरब्रिज में चल रहे सीसी रोड निर्माण एवं मरम्मत कार्य की धीमी गति को लेकर कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री सुजीत बघेल ने रेलवे प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। शनिवार को अंडरब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे बघेल ने आरोप लगाया कि काम की गति देखकर ऐसा नहीं लगता कि रेलवे आम जनता की परेशानियों को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि करीब 33 दिन से अंडरब्रिज बंद है, लेकिन मौके पर निर्माण कार्य की रफ्तार बेहद सुस्त दिखाई दी। सीसी रोड का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है, जबकि नाली निर्माण सहित कुछ काम शेष हैं। इसके बावजूद आम लोगों के लिए अंडरब्रिज अब तक नहीं खोला गया है। अंडरब्रिज बंद होने के बाद से चरोदा के जी-कैबिन मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कई गुना बढ़ गया है और प्रतिदिन लंबा जाम लग रहा है। इसका असर केवल राहगीरों पर ही नहीं, बल्कि रेलवे कॉलोनी के निवासियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और दैनिक यात्रियों पर भी पड़ रहा है। रेल प्रशासन ने सिरसा गेट अंडरब्रिज को 1 जुलाई से 31 अगस्त तक मरम्मत कार्य के लिए बंद किया है। निर्माण कार्य शुरू होने से पहले मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने स्थानीय नागरिकों के साथ निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी को तय समय से पहले कार्य पूरा करने के निर्देश दिए थे। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश काम पूरा होने के बावजूद शेष कार्य की गति बेहद धीमी है और जनता को राहत देने की दिशा में कोई गंभीर प्रयास दिखाई नहीं दे रहा। निरीक्षण के बाद सुजीत बघेल ने कहा, यदि रेलवे प्रशासन वास्तव में जनता की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देता तो अंडरब्रिज बंद करने के साथ ही युद्ध स्तर पर काम कराया जाता। लेकिन मौके पर केवल छह-सात मजदूर काम करते मिले, वह भी अधिकांश रंगाई-पुताई में लगे थे। इससे साफ प्रतीत होता है कि काम के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है, जबकि हजारों लोग रोजाना जाम और परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने से मिलती है सफलता : योगेश भाले

सर्वधर्म प्रार्थना के साथ हुआ स्काउट गाइड जाँच शिविर का समापन

पाटन। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ जिला संघ दुर्ग के वार्षिक कार्यक्रमानुसार विकासखंड पाटन में तृतीय सोपान स्काउट गाइड जाँच शिविर का आयोजन स्वामी आत्मानंद कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटन में किया गया। विकासखंड सचिव एवं सहायक शिविर संचालक ललित कुमार बिजौरा ने बताया कि शिविर में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मगरघटा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अखरा पाटन, शासकीय हाई / हायर सेकेंडरी स्कूल सिपकोना, कन्या सेलूद, बालक सेलूद, कन्या पाटन, गबदी, दीपशिखा उतई, भनसूली, उरला, धौंराभाठा के 49 स्काउट्स एवं 47 गाइड्स सहित 8 संचालक मंडल सदस्य एवं 4 सर्विस रोवर रेंजर शामिल हुए। शिविर में

प्रतिभागियों को स्काउट गाइड के मूलभूत सिद्धांतों, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना गीत, झंडा गीत, आदर्श वाक्य, ध्वज शिष्टाचार, प्राथमिक उपचार, सैल्यूट, बांया हाथ मिलाना, बीपी का इतिहास, गणवेश की जानकारी, पायोनियरिंग, नाट, हिच, लेसिंग, प्रोजेक्ट, स्ट्रेचर के बारे में बताया गया एवं आकलन किया गया। शिविर का समापन योगेश निक्की भाले नगर पंचायत अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य, निशा सोनी पार्षद एवं अध्यक्ष, केवलचन्द देवांगन सभापति नगर पंचायत पाटन, प्रदीप कुमार महिलांगे सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, पी.एल.सिंहा प्राचार्य के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अतिथियों का स्काउटिंग परम्परा अनुरूप स्कार्फ वागल एवं गुलाब का फूल भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने कहा कि स्काउटिंग हमें अनुशासन के साथ साथ जीवन जीने की कला सिखाती है , उन्होंने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने से सफलता अवश्य मिलती है।

भाजपा महिला मोर्चा की परिचयात्मक बैठक संपन्न

संगठन विस्तार एवं आगामी कार्यक्रमों पर हुई विस्तृत चर्चा

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर दिया गया विशेष जोर

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला स्तरीय परिचयात्मक बैठक भाजपा जिला कार्यालय में उत्साह एवं संगठनात्मक वातावरण के बीच संपन्न हुई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की गरिमामयी उपस्थिति एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चन्द्राकर की अध्यक्षता रही। कायक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में महिला मोर्चा दुर्ग की प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री तिलेश्वरी धुरंधर उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य योगिता सिन्हा, सरिता मिश्रा, माया बेलचंदन एवं ममता देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में

सहभागिता कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने, नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए व्यापक चर्चा की गई। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय एवं प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। मुख्य अतिथि तिलेश्वरी धुरंधर ने महिला कार्यकर्ताओं से संगठन की रीति-नीति एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि महिला शक्ति भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के बीच जाकर सेवा, समर्पण एवं संगठन के मूल मंत्र के साथ कार्य करे और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाए।

चरौदा निगम की एमआईसी बैठक में विकास कार्यों पर लगी मुहर

महापौर ने अधिकारियों को दिए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

भिलाई-चरौदा। भिलाई-चरौदा नगर निगम में महापौर परिषद (मेयर इन काउंसिल-एमआईसी)की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर के विकास एवं निर्माण कार्यों से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही शहर में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक की शुरुआत निगम सचिव द्वारा की गई, जिन्होंने विषय सूची में शामिल सभी प्रस्तावों की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी। इसके बाद महापौर निर्मल कोसरे की अध्यक्षता में एमआईसी सदस्यों ने एक-एक विषय पर विचार-विमर्श किया और सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक के दौरान महापौर कोसरे ने निगम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शहर में स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

तालाब किनारे बिल्डिंग मटेरियल डम्प करने पर 1000 रुपये का जुर्माना

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में सार्वजनिक स्थानों पर निर्माण सामग्री डम्प कर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम के जोन क्रमांक-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक-26 रामनगर मुक्तिधाम तालाब पार क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर बिल्डिंग मटेरियल डम्प किए जाने पर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर मुक्तिधाम तालाब पार क्षेत्र में गिट्टी एवं रेत को सार्वजनिक स्थान पर डम्प कर दिया गया था। निर्माण सामग्री के इस प्रकार रखे जाने से आसपास के क्षेत्र में आवागमन प्रभावित हो रहा था तथा नागरिकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसके अलावा सड़क किनारे गिट्टी एवं रेत रखे जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। मामले की जानकारी मिलने पर नगर निगम की टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थान पर गिट्टी एवं रेत डम्प किया हुआ पाया गया। निगम की टीम ने संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बाधा शुल्क के रूप में 1000 रुपये का अर्थदण्ड वसूल किया।

नशा मुक्त युवा- विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ, कुलपति ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ

अमलेश्वर। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग अंतर्गत उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सांकरा में आज नशा मुक्त युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान पूरे देश में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ हुआ, जिसमें युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवि आर. सक्सेना ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए घातक है तथा युवा पीढ़ी को इससे दूर रहकर अपने लक्ष्य एवं राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव यशवंत केराम, अधिष्ठाता डॉ. अमित दीक्षित, महाविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, विद्यार्थीगण एवं बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन डॉ. गागेन्द्र सिंह राजपूत, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं युवाओं द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से लोगों को नशा मुक्त जीवन अपनाने और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में इस अभियान को लेकर उत्साह एवं जनजागरूकता का सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

राजधानी रायपुर में लोधी क्षत्रिय समाज का जिला स्तरीय लक्ष्य प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम संपन्न

अमलेश्वर। राजधानी रायपुर में लोधी समाज द्वारा लक्ष्य जिला रायपुर इकाई की ओर से लोधी भवन, पंढरी, रायपुर में प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन गरिमा पूर्ण रूप से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बच्चों को मार्गदर्शन देने के लिए वक्ता के रूप में डॉक्टर डी एस परिहार- मोटिवेशनल स्पीकर, विक्रम लोधी- प्रबंधक आजीविका मिशन, अशोक झा-करियर मार्गदर्शक उपस्थित रहे. इस कार्यक्रम में रायपुर जिला के आरंग, उरला, गोगांव, मंदिर हसौद इत्यादि क्षेत्र के पांचवी आठवीं दसवीं बारहवीं एवं खेलकूद में विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले 45 बच्चों को मेडल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। साथ में सभी बच्चों को कैरियर मार्गदर्शिका पुस्तक भी भेंट की गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ लोधी समाज एवं लक्ष्य छत्तीसगढ़ से प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे जिनमें किशोर वर्मा, पूरन सिंह

पंचूराम वर्मा, प्रकाश जांघेल, सूरज लोधी, टिक्कू लोधी, विक्की जंघेल, संतोष बेलगहे, लक्ष्मी नारायण लोधी, शैलेंद्र लोधी, टेकराम लोधी, मती राजेश्वरी जंघेल, पंपा चंदेल, आशा जंघेल, शांता जंघेल, लक्ष्मी जंघेल, कौशल्या जंघेल, चंद्रकला जंघेल, शिवेंद्र बघेल, एचएल बिसाने, दीपक जंघेल, नरेन्द्र जंघेल, देवराज जंघेल, बालमुकुंद चंदेल, ओम जंघेल सहित समाज के अनेक महिला पुरुष पदाधिकारीगण सदस्य एवं बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत बैज पहना कर एवं लोधी पटका भेंट कर रायपुर जिला लोधी समाज के अध्यक्ष तेजशंकर जंघेल, महासचिव दीपक जंघेल एवं प्रदेश महासचिव के.के. सिंगौर एवं कार्यकारणी अध्यक्ष नरेंद्र जंघेल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अशोक वर्मा के द्वारा किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पढाई, सामाजिक सहभागिता, तकनीकी प्रयोग एवं नैतिक शिक्षा के बारे में ज्ञान दिया गया। वक्ताओं के उदबोधन के पश्चात समाज के सदस्यों में किशोर वर्मा, पूरन सिंह पटेल, सुरेश सिंगौर, दीनूराम वर्मा इत्यादि ने भी बच्चों को मंच के माध्यम से आशीर्वाद वचन दिया।

जलभराव वाले क्षेत्रों में एंटी लार्वा दवा, जले ऑयल और जैल का छिड़काव शुरू

डेंगू-मलेरिया पर नगर निगम का प्रहार : डेंगू के खिलाफ निगम का अभियान तेज

सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान को मिली रफ्तार, महापौर के निर्देश पर शहरभर में मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के विशेष इंतजाम

दुर्ग। वर्षा ऋ तु में डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा महापौर अलका बाघमार के निर्देश पर सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान को शहरभर में तेज गति से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जलभराव वाले क्षेत्रों, निचले इलाकों, नालियों, खाली भूखंडों तथा ऐसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, जहां वर्षा का

पानी जमा होने से मच्छरों के पनपने की संभावना रहती है। महापौर अलका बाघमार के निर्देशानुसार पर स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता के नेतृत्व में स्वच्छता टीमों द्वारा विभिन्न वार्डों में लगातार एंटी लार्वा दवा, टेमेफोस, जले ऑयल एवं लार्वा नियंत्रण जैल का छिड़काव किया जा रहा है। इन उपायों से पानी में पनपने वाले मच्छरों के लार्वा को नष्ट कर डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों के फैलाव को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बारिश के मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है। इसलिए निगम की टीमों को संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित छिड़काव, साफ-सफाई और निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने घरों और आसपास पानी जमा न होने दें तथा स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें। नगर निगम द्वारा लोगों को जागरूक करते हुए कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, पुराने टायरों, टूटे बर्तनों एवं अन्य जल संग्रहित करने वाले पात्रों की नियमित सफाई करने तथा सप्ताह में कम से कम एक बार उनका पानी बदलने की सलाह दी जा रही है। यदि किसी सार्वजनिक स्थान पर जलभराव या गंदगी दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल नगर निगम को देने की अपील भी की गई है। नगर पालिक निगम, दुर्ग ने नागरिकों से सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह करते हुए कहा है कि जनसहयोग से ही स्वच्छ, स्वस्थ एवं डेंगू-मुक्त दुर्ग का निर्माण संभव है।

आयुक्त के निर्देश पर शहरभर में नालियों की सफाई अभियान तेज

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की शहर में वर्षा जल की सुचारु निकासी सुनिश्चित करने के लिए सभी जोनों में नालियों की व्यापक सफाई कराई जा रही है। बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति से मौसमी बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है, जिससे नागरिकों को भी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा सफाई कर्मियों की टीम लगाकर छोटी एवं बड़ी नालियों की नियमित सफाई कराई जा रही है। सफाई के दौरान नालियों से निकाले गए गाद एवं कचरे मलबे को तत्काल हटाकर उसका उचित निस्तारण भी किया जा रहा है, ताकि दोबारा नालियां अवरुद्ध न हों। नगर निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे नालियों में कचरा एवं प्लास्टिक सामग्री न डालें तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर बनाने में निगम प्रशासन का सहयोग करें।

महापौर रामू रोहरा की छवि धूमिल करने सिंडीकेट के साथ पार्षद सक्रिय

धमतरी। कांग्रेस की शहरी सरकार के समय कुछ ऐसे भ्रष्टाचार उजागर हुए जिसकी गूंज शहर की गलियों तक काफी चर्चित रही। यही नहीं शहरवासियों को भी मूलभूत सुविधाएं देने में अक्षम साबित हुई जिससे जागरूक लोगों ने समय समय पर टीका-टिप्पणी करते हुए इसे बदलने का संकल्प लिया था और जैसे ही चुनाव की घोषणा हुई, तो अपने संकल्प के अनुरूप शहर की जनता ने पूर्ववर्ती शहरी सरकार को सत्ता से पृथक कर दिया। यह परिवर्तन शहर के नागरिकों के नाराजगी का था, जिन्होंने मूलभूत सुविधाओं के साथ शहर विकास का सपना देखते हुए यह सब कुछ किया और पुनः भाजपा की शहरी सत्ता पर विश्वास जताते हुए महापौर सहित पार्षदों को ऐतिहासिक जीत दिलाई। निर्वाचित महापौर जगदीश रामू रोहरा ने पदभार संभालने के पूर्व निगम के मुख्य द्वार पर शहर विकास एवं यहां के नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने का प्रण करते हुए पदभार संभाला। तब से लेकर वर्तमान समय तक स्कूटी से विभिन्न वार्डों का दौरा कर वहां निवासरत लोगों की समस्याओं को सुनकर उसके तत्काल निराकरण करने का निर्देश दिया। यही नहीं उन्होंने अब तक के कार्यकाल में करोड़ों रूपये के विकास कार्यों की सौगात दिलाई है। इन योजनाओं के पूरा होने पर लोगों को यह महसूस होगा कि उन्होंने महापौर पर जो विश्वास जताया था, उस पर वे खरे उतरे हैं और शहर की अनेक बहुप्रतीक्षित मांगों को उन्होंने जनभावनाओं के अनुरूप, प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कराया। लेकिन महापौर की इस बढ़ती लोकप्रियता एवं विकास कार्यों पर रोड़ा अटकाने के लिये एक सिंडीकेट काम कर रहा है। खबर के मुताबिक सत्तापक्ष का ही एक पार्षद निगम के ही कुछ लोगों के साथ मिलकर उनके खिलाफ षड़यंत्र कर रहा है जिसकी शहर में जबरदस्त चर्चा है। निगम में पिछले कार्यकाल में कुछ ऐसे भ्रष्टाचार सामने आये जिससे शहरवासी अचंभित थे। लेकिन शहर की नई सरकार बनने के बाद यहां पदस्थ पूर्व आयुक्त द्वारा एकला चलो नीति के चलते निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी के बीच वाद-विवाद की स्थिति निर्मित हुई थी। इस स्थिति को देखते हुए शासन ने उनका तबादला पिछले महीने अन्यत्र किया। नये आयुक्त के आने के बाद यह स्थिति समाप्त हुई। महापौर द्वारा विषम परिस्थितियों में भी शासन से अनेक विकास कार्यों जिनमें विभिन्न मार्गों का चौड़ीकरण, बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड, ऑडिटोरियम, हाईटेक बस स्टेंड, रत्नाबांधा चौक से मुजगहन, सिहावा चौक से दानीटोला फोरलेन सड़क निर्माण सहित अनेक स्वीकृत कराये जिसमें द्रुतगति से काम भी प्रारंभ हो चुका है जिसे देखकर शहर के नागरिक उनके कार्यों की प्रशंसा करते नहीं थक रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में एक वर्षों से आमापारा वार्ड में बरसाती पानी की समस्या को दूर करने में भी इन्होंने महारथ हासिल की है। पूर्व वर्षों में जब शहर में बारिश हुआ करती थी तो यह वार्ड में घुटने तक पानी रहता था। साथ ही यह पानी घरों के अंदर भी घुस जाता था जिससे इस क्षेत्र में व्यवसाय करने वाले, आना-जाना करने वाले, रहवासियों को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ता था। लेकिन महापौर ने इस क्षेत्र के पार्षद, लोक निर्माण सभापति, अध्यक्ष विजय मोटवानी के प्रस्ताव को उन्होंने तत्काल स्वीकृत करते हुए अंडरग्राउंड नाला का निर्माण करवाकर वर्षों से व्याप्त आमापारा वार्ड की समस्याओं को दूर किया। ऐसे उल्लेखनीय कार्य करने वाले महापौर को अब निगम के भीतर एक सिंडीकेट घेरने के फिराक में हैं और उनके विरूद्ध लगातार षड़यंत्र किया जा रहा है। खबर के मुताबिक इस कार्य में सत्तापक्ष के ही एक पार्षद का नाम सामने आ रहा है जो विकास कार्यों में बाधक बनकर महापौर के विरूद्ध मिथ्या बातें प्रचारित कर शहरी सत्ता को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं जबकि इसके ठीक विपरीत महापौर रोहरा सबको साथ लेकर शहर विकास के लिये संकल्पित नजर आ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि यह पार्षद पिछले कुछ महीनों से महापौर के विरूद्ध अनाप-शनाप बातों को प्रचारित कर शहरवासियों को दिग्भ्रमित कर रहा है। हालांकि इसकी जानकारी संगठन के लोगों को भी है। जानकारी तो यह भी है कि उक्त पार्षद को संगठन के वरिष्ठ लोगों ने समझाईश भी दी थी परंतु निगम के कुछ लोगों के साथ मिलकर यह पार्षद अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहा है जिससे स्वच्छ छवि के नेता के रूप में चर्चित महापौर को अब इस सिंडीकेट पर लगाम कसने की चर्चा आम हो रही है। हालांकि महापौर ने इस पर खुलकर अभी तक कहना प्रारंभ नहीं किया है, या यूं कहना चाहिये कि उन्होंने उक्त पार्षद के हरकतों को देखकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। यदि उक्त पार्षद इसी तरह महापौर के विरूद्ध षड़यंत्र रचता रहेगा तो विकास कार्यों को लोग भूलकर उसकी बातों में आकर पार्टी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कुछेक लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि महापौर की लगन और शहर विकास तथा शहरवासियों की मूलभूत समस्याओं को दूर करने का लक्ष्य भी उक्त पार्षद की आंखों में खटक रहा है जिससे शहर के नागरिकों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। निगम के अंदर से छनकर निकल रही खबरों के अनुसार कल तक जो भ्रष्टाचार को लेकर बड़े-बड़े डींग हांका करता था, आज वह खुद चौतरफा भ्रष्टाचार के आरोपों के ज़द में आ चुका है। चर्चा तो यह भी है कि उक्त पार्षद की पूरी कुंडली वरिष्ठ भाजपा नेताओं सहित महापौर को भी मिलने की खबर है। अब देखना यह है कि उक्त पार्षद पर पार्टी के वरिष्ठ नेता सहित महापौर क्या एक्शन लेते हैं? इस पर पार्टी के नेताओं सहित शहरवासियों की निगाहें टिकी हुई है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर निकली भव्य कलश यात्रा

महापौर रामू रोहरा ने किया आत्मीय स्वागत

धमतरी। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा का महापौर रामू रोहरा ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने गुरु रविदास महाराज के समता, सद्भाव और मानवता के संदेश को जन.जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज का जीवन समाज को समानता, प्रेम, सेवा और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखाने वाली अमूल्य प्रेरणा है। उन्होंने जाति.पांति, ऊँच.नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता को सर्वोपरि मानने का संदेश दिया, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उनके विचार समाज में एकता, भाईचारे और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि समरसता संकल्प अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और संत गुरु रविदास महाराज के आदर्शों को जन.जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। इस भव्य कलश यात्रा ने सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और धार्मिक आस्था का अनुपम संदेश दिया। महापौर ने सभी नागरिकों से गुरु रविदास महाराज के बताए मार्ग पर चलकर समरस, समतामूलक और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

बलौदाबाजार में महानगरों की तर्ज पर बिछेगी पाइपलाइन, जल्द मिलेगी घर-घर पीएनजी रसोई गैस सुविधा

बलौदाबाजार। महानगरों की तर्ज पर अब बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के निवासियों को भी रसोई गैस सिलेंडरों के झंझट से मुक्ति मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा 'सिटी गैस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट' के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है। आने वाले दिनों में जिलेवासियों को सीधे पाइपलाइन के जरिए सुरक्षित और निर्बाध प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति मिलेगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना की प्रगति को लेकर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को जिला कार्यालय में एचसीजी रायपुर प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों और संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने प्रोजेक्ट की अद्यतन स्थिति का जायजा लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग आपस में बेहतर समन्वय स्थापित करें और निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करें, ताकि आम नागरिकों को जल्द से जल्द इस आधुनिक सुविधा का लाभ मिल सके।उन्होंने कहा कि पाईप लाइन बिछाने में गड्ढा खोदने के लिये लोक निर्माण विभाग या अन्य विभाग अथवा पंचायत से एनओसी की जरुरत होने पर शीघ्र जारी किया जाए। प्रोजेक्ट के प्रतिनिधियों ने बताया कि पाईप लाईन बिछाने कार्य रायपुर से शुरू कर दिया गया है जो जिले के सिमगा तक पहुंच गया है। वर्तमान में विकासखण्ड सिमगा के ग्राम केसदा में काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि पीएनजी का कनेक्शन पाईप लाईन के आस पास के औद्योगिक प्रतिष्ठान, स्कूल, अस्पताल व शहरों में दिया जाएगा। पाईप लाइन घर के सामने से गुजरेगी जिसमें बीच- बीच में कनेक्शन बॉक्स रहेगा जहां से घर के रसोई तक कनेक्शन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि पीएनजी बहुत ही सुरक्षित है जिसमें ब्लास्ट होने की कोई खतरा नहीं होता,मीटर के अनुसार बिल का भुगतान करना होगा। पाइपलाइन गैस सेवा शुरू होने से आम जनता को समय पर सिलेंडर रिफिलिंग की समस्या से निजात मिलेगी। साथ ही यह सुविधा आर्थिक रूप से किफायती और पर्यावरण व सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी बेहद अनुकूल साबित होगी। बैठक में एचसीजी के प्रतिनिधियों ने आश्वस्त किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर जिले में मुख्य नेटवर्क और घरेलू कनेक्शन का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी कलश यात्रा : रंजना डीपेंद्र साहू

धमतरी। राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रदेश स्तरीय कलश वंदन वितरण कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ कलश यात्रा वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर काशी से लाई गई पावन माटी से युक्त कलशों का विधिवत पूजन एवं वंदन किया गया। यह कलश यात्रा प्रदेश के सभी जिलों में भ्रमण कर संत गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता, प्रेम, सामाजिक सद्भाव और मानवता के संदेश को जन.जन तक पहुँचाएगी। अभियान का उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना तथा संत रविदास जी के विचारों से नई पीढ़ी को जोड़ना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, लक्ष्मी रजवाड़े, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी एवं मंचस्थ संतों का मार्गदर्शन सभी को प्राप्त हुआ। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने इस विषय पर कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एक सूत्र में जोड़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि समरसता संकल्प अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का व्यापक जनआंदोलन है। काशी की पावन माटी से निकली यह कलश यात्रा पूरे प्रदेश में सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश लेकर जाएगी तथा प्रत्येक नागरिक को संत रविदास जी के आदर्शों से जोड़ने का कार्य करेगी। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव संतों, महापुरुषों एवं समाज सुधारकों के आदर्शों को जन.जन तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रही है। गुरु रविदास जी के बताए मार्ग पर चलकर ही समरस, समतामूलक और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प साकार किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में धमतरी जिले से रंजना साहू के अलावा कलश लेने पूर्व विधायक श्रवण मरकाम, भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस, जिला महामंत्री राकेश साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष त्रिलोकचंद जैन, अकबर मरकाम, विजय यदु, अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष धनेश बंजारे, मोहन पुजारी, जिला भाजपा मंत्री हेमंत चंद्राकर, शुभम यदु, पुरण घृतलहरे, सुनील गायकवाड़ पहुंचे।

बलौदा बाजार की बेटी शिवांशी केसरवानी बनीं केसरवानी समाज की प्रथम कमर्शियल पायलट

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार नगर की 21 वर्षीय होनहार बेटी कु. शिवांशी केसरवानी ने Commercial Pilot License प्राप्त कर केसरवानी समाज की प्रथम कमर्शियल पायलट बनने का गौरव हासिल किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से परिवार, समाज एवं पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। कैप्टन शिवांशी ने अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के सैक्रामेंटो स्थित Advance Aviation Center से प्रशिक्षण प्राप्त कर सफलतापूर्वक कमर्शियल पायलट लाइसेंस अर्जित किया। इसके बाद वे अब कैप्टन शिवांशी केसरवानी के नाम से जानी जाएँगी। विदेश में प्रशिक्षण से पूर्व उन्होंने मुंबई स्थित एक एविएशन प्रशिक्षण संस्थान में लगभग एक वर्ष तक वेदर, टेकऑफ़, लैंडिंग, फ्लाइट सेफ्टी एवं अन्य तकनीकी विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कैप्टन शिवांशी, नितेश केसरवानी एवं भावना केसरवानी की सुपुत्री तथा नरेंद्र (नंदू) केसरवानी एवं शोभा केसरवानी की पौत्री हैं। उनकी इस सफलता का श्रेय उनके दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम, परिवार के सहयोग तथा ईश्वर की असीम कृपा को दिया जा रहा है।
इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर केसरवानी समाज, नगर के गणमान्य नागरिकों एवं शुभचिंतकों ने कैप्टन शिवांशी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी सफलता प्रदेश और देश की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी तथा वे भविष्य में भी नई ऊँचाइयों को स्पर्श कर समाज और राष्ट्र का नाम रोशन करेंगी।

जिला फाइनेंस लैब से आर्थिक साक्षरता की ओर बढ़ रहा बलौदाबाजार-भाटापारा

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित जिला फाइनेंस लैब जिले में आर्थिक एवं वित्तीय साक्षरता का प्रभावी माध्यम बन रही है। विभिन्न वर्गों के लोगों को वित्तीय विषयों की व्यावहारिक जानकारी देकर उन्हें जागरूक और आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। बुधवार को पलारी विकासखंड के 60 विभिन्न स्व-सहायता समूहों की महिलाओं,किसानों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने जिला फाइनेंस लैब का भ्रमण किया। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं को साइबर सुरक्षा, डिजिटल फ्रॉड एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव, शेयर मार्केट में सुरक्षित निवेश के मूल सिद्धांत, तथा ट्रेडिंग की प्रारंभिक जानकारी सरल और व्यवहारिक तरीके से दी गई। साथ ही डिजिटल वित्तीय लेन-देन में अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। जिले में अर्थशाला के माध्यम से प्रत्येक दिन अलग-अलग वर्गों के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को कक्षा 11वीं एवं 12वीं के स्कूली विद्यार्थियों, मंगलवार को महिला स्व-सहायता समूहों, बुधवार को किसानों तथा गुरुवार को महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन, निवेश, साइबर सुरक्षा और डिजिटल वित्तीय साक्षरता से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। जिला प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाना, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना तथा निवेश और वित्तीय निर्णयों के प्रति सही जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मविश्वासी बन सकें।

फसल बीमा समय की वृद्धि कृषक हितेषी संवेदनशील निर्णय-विजय मोटवानी

धमतरी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की नियत तिथि 31 जुलाई से बढ़कर 14 अगस्त किए जाने पर नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी द्वारा स्वागत करते हुए इसे किसानो के हितकारी, महत्वपूर्ण कदम एवं निर्णय बताया है। मोटवानी ने कहा है कि किसान अपनी मेहनत को जब फसल के रूप में पूरा पूंजी के साथ लगा देता है तो कई बार उन्हें हताशा एवं परेशानियों का सामना किसी प्रकोप के कारण करना पड़ता है जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को समृद्ध करके कृषि को उन्नत बनाने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वरदान स्वरुप फसल बीमा योजना की सौगात दी है, जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक सार्थक एवं सशक्त कदम है।

कामता चितावर धाम में बूढ़ादेव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, ध्रुव समाज में उत्साह का माहौल

तिल्दा-नेवरा/सिमगा। सिमगा विकासखंड के समीप स्थित ग्राम कामता के चितावर धाम में सोमवार को ध्रुव समाज के तत्वावधान में बूढ़ादेव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा एवं स्थापना समारोह श्रद्धा, आस्था और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ।
धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा एवं श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे परिसर में भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में धार्मिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए बूढ़ादेव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव से पूजा-अर्चना कर समाज की सुख-समृद्धि, आपसी एकता, सामाजिक उन्नति तथा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। जय बूढ़ादेव के जयघोष से पूरा चितावर धाम भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। समारोह में उपस्थित समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि बूढ़ादेव ध्रुव समाज के आराध्य देव हैं और उनकी स्थापना समाज की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत तथा पारंपरिक मूल्यों को नई मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इससे समाज में संगठन, भाईचारा और सामाजिक एकता की भावना भी सुदृढ़ होती है। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने बूढ़ादेव एवं बूढ़ी दाई की विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महिलाओं और युवाओं ने भी पूरे उत्साह के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भागीदारी निभाई। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे आयोजन की भव्यता और अधिक बढ़ गई। धार्मिक अनुष्ठान की पूर्णाहुति के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। इसके साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के सफल संचालन में ध्रुव समाज के पदाधिकारियों, युवाओं एवं ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं श्रद्धामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसकी समाजजनों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सार्थक स्कूल की कमजोर दृष्टि वाली दो विशेष बालिकाओं को मिले नए चश्मे

धमतरी। सार्थक स्कूल धमतरी में अध्ययनरत दो विशेष बालिकाओं की दृष्टि अत्यंत कमजोर होने के कारण उन्हें दैनिक जीवन, अध्ययन एवं प्रशिक्षण में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उनकी आवश्यकता को संवेदनशीलता से समझते हुए धमतरी के समाजसेवी एम एल चौरड़िया के पुत्र आशीष चौरड़िया एवं पुत्रवधु नमिता चौरड़िया ने दोनों बालिकाओं को उच्च गुणवत्ता के नए चश्मे भेंट किए, ताकि वे स्पष्ट रूप से देख सकें, आत्मविश्वास के साथ सीख सकें और जीवन में आगे बढ़ने के अपने सपनों को नई उड़ान दे सकें। इस अवसर पर प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ विजय पंजवानी ने दोनों बालिकाओं की निःशुल्क नेत्र जांच कर उचित पावर के चश्मों का परामर्श दिया। नेत्र जांच के अवसर पर डॉ वंदना पंजवानी का भी सहयोग रहा। सार्थक स्कूल की अध्यक्ष डॉ सरिता दोशी ने कहा कि समाज में ऐसे संवेदनशील एवं सेवा.भावी लोगों के कारण ही विशेष बच्चों के जीवन में आशा की नई किरण जगती है। किसी बच्चे को उसकी आवश्यकता के अनुरूप सहयोग देना केवल दान नहीं, बल्कि उसके भविष्य को संवारने का श्रेष्ठ प्रयास है। चौरड़िया दम्पति ने कहा बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और उनकी आँखों में नई चमक देखना हमारे लिए सबसे बड़ा संतोष है। यदि हमारे छोटे.से सहयोग से इन बच्चियों का जीवन थोड़ा भी सहज और उज्ज्वल बनता है, तो यही हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में हमारा सहयोग निरंतर बना रहेगा। इस अवसर पर संस्था की सचिव स्नेहा राठौड़ तथा प्रशिक्षक मैथिली गोड़े, देविका दीवान, कौशल्या यादव एवं काजल रजक सुनैना गोड़े ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के ऐसे सहयोग से विशेष बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है ।

संपादकीय

नीट पेपर लीक के बाद नई पहल-क्या अब प्रतियोगी परीक्षाओं में लौटेगा भरोसा?

अगर विद्यार्थियों ने सड़क पर उतरकर अपना आक्रोश जाहिर नहीं किया होता और उनके प्रति पुलिस के रुख की वजह से सरकार कठघरे में नहीं खड़ी होती, तो शायद एक बार फिर बात आई-गई हो जाती।कई बार किसी मुद्दे पर उठने वाले सवाल विवाद की शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। मगर काफी जद्दोजहद के बाद जब उस पर सहमति के बिंदु बनने लगते हैं, तब आखिरकार अपने परिणाम में वही सवाल भविष्य के लिए सकारात्मक दिशा का संकेत बन सकते हैं।नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक होने की घटना निश्चित तौर पर सरकारी तंत्र की विफलता और लापरवाही का सबूत थी, लेकिन उससे ज्यादा चिंता की बात यह थी कि लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर सरकार बहुत ज्यादा फिक्रमंद नहीं दिखाई दे रही थी। इससे स्वाभाविक तौर पर विद्यार्थियों के बीच असंतोष और क्षोभ की भावना पैदा हुई और उसी को कॉकरोच जनता पार्टी नाम के एक नए बने समूह ने संगठित स्वर दिया।हालांकि इस मुद्दे पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन और खासतौर पर 'संसद मार्च' के आह्वान के दौरान विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जिस स्तर का बल प्रयोग किया, उससे सरकार के रवैये पर तमाम सवाल उठे। विद्यार्थियों के शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन के दमन की कोशिश को संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट की तरह देखा गया।अब विद्यार्थियों के उस आंदोलन के एक निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद सरकार ने प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं को पूरी तरह रोकने के लिए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' लाने की प्रक्रिया शुरू की है।मगर जरूरत इस बात की है कि देश भर में इस मुद्दे पर जिस तरह का विरोध और सरकार के रुख के प्रति असंतोष देखा गया, अगर उसके हल की कोई सूरत बन रही है, तो उसमें सभी पक्षों का सकारात्मक सहयोग सुनिश्चित हो। संशोधन विधेयक में प्रश्नपत्र लीक होने की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ने के लिए कई सख्त प्रावधानों की बात की गई है। इससे यह साफ है कि सरकार इस समस्या की गंभीरता को अब स्वीकार कर रही है।मगर यहीं इस बात की जरूरत है कि इससे संबंधित सभी पक्षों पर विपक्षी दलों की भी विस्तृत राय ली जाए और इस पर संसद में पर्याप्त बहस हो। दूसरी ओर, आंदोलन के बाद जिस तरह तत्कालीन शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हुआ और सरकार ने अपने कदम पीछे खींचे, तो अब विपक्षी दलों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं पर लगाम लगाने की कोशिश में अपना सक्रिय और सकारात्मक सहयोग दें।सही है कि नीट 2026 का प्रश्नपत्र लीक होने की घटना कोई पहली बार नहीं हुई थी। इससे पहले भी कई बार प्रश्नपत्र लीक होने के वाकये सामने आ चुके हैं। मगर सरकार ने औपचारिक निर्देशों के अलावा इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं समझी।

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी

(योगेश कुमार गोयल)

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था।

देश कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन विजय' के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन विजय' की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को

पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, 'ये दिल मांगे मोर' तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

'जरासंध' की खुशी तात्कालिक है...

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास का सबसे बड़ा भ्रम यह है कि वह युद्धभूमि में दिखाई देने वाले दृश्य को ही अंतिम सत्य मान लेता है। किंतु भारत की सभ्यता ने कभी केवल दृश्य को सत्य नहीं माना। उसने परिणाम से पहले उद्देश्य को देखा, विजय से पहले धर्म को देखा और पराक्रम से पहले बुद्धि को स्थान दिया।

यही कारण है कि इस भूमि ने उस पुरुष को भी भगवान कहा, जिसे उसके विरोधियों ने कभी 'रणछोड़' कहकर उपहास का विषय बनाया था।

कितना विचित्र है कि जिन श्री कृष्ण को गीता के उपदेशक, धर्म के संस्थापक, महाभारत के सूत्रधार और अधर्म के अंत का नायक माना जाता है, उन्हीं कृष्ण के नाम के साथ 'रणछोड़' शब्द भी जुड़ा। यदि केवल तत्कालीन जनमत से इतिहास लिखा जाता, तो शायद लोग यही कहते कि कृष्ण युद्धभूमि छोड़कर भाग गए। जरासंध स्वयं भी शायद यही समझ बैठा होगा कि उसने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को पराजित कर दिया है। लेकिन इतिहास कभी तत्कालीन शोर से नहीं लिखा जाता। इतिहास समय की अग्नि में तपकर अपना निर्णय देता है।

भगवान श्री कृष्ण जानते थे कि प्रत्येक युद्ध रणभूमि में खड़े होकर नहीं जीता जाता। कभी-कभी एक कदम पीछे हटना ही अंतिम विजय की भूमिका बनता है। मथुरा से द्वारका का प्रस्थान 'पलायन' नहीं था, वह राष्ट्र, समाज और भविष्य की रक्षा के लिए लिया गया दूरदर्शी निर्णय था। उस समय जरासंध ने स्वयं को विजेता समझा होगा, पर इतिहास ने विजेता किसे माना? इतिहास ने रणछोड़दास को भगवान कहा, जरासंध को नहीं।

जरासंध की सबसे बड़ी भूल यह नहीं थी कि वह कृष्ण से लड़ता रहा। उसकी सबसे बड़ी भूल यह थी कि उसने हर बार पीछे हटते कृष्ण को पराजित समझ लिया। उसे दिखाई नहीं दिया कि कृष्ण युद्ध नहीं, समय चुन रहे हैं। यही कारण है कि उस दिन की जय-पराजय समय के साथ उलट गई। जरासंध अपने युग का विजेता कहलाया, लेकिन इतिहास का नायक नहीं बन सका। कृष्ण उस क्षण 'रणछोड़' कहे गए, किंतु काल ने उन्हें योगेश्वर के सिंहासन पर प्रतिष्ठित कर दिया।

भारत का दर्शन हमें सिखाता है कि पीछे हटना और हार जाना समानार्थी शब्द नहीं हैं। जो व्यक्ति अपने अहंकार की रक्षा के लिए समाज को संकट में डाल दे, वह विजेता होकर भी पराजित है। और जो व्यक्ति अपने सम्मान का त्याग करके समाज की रक्षा कर ले, वह तत्कालीन आलोचना झेलकर भी इतिहास में विजेता बनता है। इसी कारण इस देश ने श्री राम को वनवासी होकर भी मर्यादा पुरुषोत्तम कहा, श्री कृष्ण को रणछोड़ होकर भी भगवान कहा और छत्रपति शिवाजी महाराज की आगरा से रणनीतिक वापसी को कायरता नहीं, राष्ट्रनीति माना।

राजनीति में भी यही कसौटी लागू होती है। नेतृत्व का अर्थ केवल संघर्ष करना नहीं है। नेतृत्व का अर्थ यह भी है कि किस संघर्ष को कहां समाप्त करना है, किस विवाद को कितना बढ़ने देना है और किस क्षण स्वयं को पीछे करके राष्ट्रहित को आगे रखना है। जो राजनेता केवल इसलिए अड़ा रहे कि कहीं उसे झुकना न पड़ जाए, वह नेतृत्व नहीं कर रहा होता, वह अपने अहंकार की रक्षा कर रहा होता है। सच्चा नेतृत्व वह है, जो जानता है कि कब तलवार उठानी है और कब म्यान में रख देनी है।

आज जब हम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देखते हैं, तो उसे केवल एक राजनीतिक घटना के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। इस निर्णय के पीछे जो भी राजनीतिक परिस्थितियां रही हों, एक तथ्य स्पष्ट है कि उन्होंने पद को राष्ट्र से बड़ा नहीं माना। उन्होंने स्वयं को विवाद का केंद्र बनाए रखने के बजाय पद छोड़कर व्यवस्था को आगे बढ़ने का अवसर दिया। लोकतंत्र में इससे असहमति हो सकती है, लोग इसे अलग-अलग दृष्टि से देख सकते हैं, किंतु यह प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा कि यदि कोई नेता अपने पद से चिपका नहीं रहता, बल्कि परिस्थितियों को सामान्य बनाने के लिए पीछे हटता है, तो क्या उसे पराजित कह देना न्याय होगा?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में धर्मेंद्र प्रधान ने केवल एक मंत्रालय नहीं संभाला। नई शिक्षा नीति के माध्यम से भारतीय शिक्षा व्यवस्था को औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकालने, मातृभाषा को सम्मान दिलाने, भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनः स्थापित करने और इतिहास के अनेक उपेक्षित अध्यायों को शिक्षा के मुख्य विमर्श में लाने का प्रयास किया। दशकों तक जिस शिक्षा व्यवस्था पर वैचारिक एकरूपता का आरोप लगता रहा, उसमें विविध भारतीय दृष्टियों के लिए स्थान बनाने का प्रयास हुआ। इस दिशा में स्वाभाविक रूप से मतभेद भी हुए और समर्थन भी मिला। शिक्षा पर बहस होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान भी होना चाहिए। विद्यार्थी यदि अपनी पीड़ा व्यक्त करते हैं तो वह लोकतांत्रिक अधिकार है। परीक्षा व्यवस्था में यदि कमियां हैं तो उनका कठोर सुधार भी होना चाहिए।

धरती की चेतावनी को सुनिए, प्रकृति का धैर्य अब जवाब दे रहा है

(योगेश कुमार गोयल)

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था।पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है।

2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था क्योंकि तब औद्योगिक इकाईयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैंकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्हीं चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं।

लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है।

पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि किस प्रकार पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है। दरअसल पर्वतीय क्षेत्रों में यातायात के साधनों से बढ़ते प्रदूषण, बड़े-बड़े उद्योग स्थापित करने और राजमार्ग बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर वनों के दोहन, सुरंगें बनाने के लिए बेदर्दी से पहाड़ों का सीना चीरे जाने का ही दुष्परिणाम है कि हमारे इन खूबसूरत पहाड़ों की ठंडक अब लगातार कम हो रही है। पहाड़ों में बढ़ती इसी गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें भी सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है।

हालांकि प्रकृति बार-बार अपना रौद्र रूप दिखाकर स्पष्ट चेतावनी देती रही है कि यदि उसके साथ अंधाधुंध खिलवाड़ बंद नहीं हुआ तो उसके घातक परिणाम होंगे लेकिन विड़म्बना है कि लगातार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखते रहने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दुनिया अपने विनाश को आमंत्रित कर रही है। दरअसल हम समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम कंक्रीट के जो जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं है बल्कि विकास के नाम पर हम अपने ही विनाश का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें बारम्बार चेतावनी देती रही है कि हम यदि इसी प्रकार प्राकृतिक संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है। यदि हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जर्जर सड़क और माइंस वाहनों के जाम से बेहाल जनता आप ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

भानुप्रतापपुर। अंतागढ़-नारायणपुर मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति और रावघाट बीएसपी माइंस प्रबंधन की कथित मनमानी को लेकर आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने नियमों को ताक पर रखकर काम कर रही संस्था का अनुबंध तत्काल निरस्त करने की मांग की है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व बस्तर लोकसभा अध्यक्ष नरेन्द्र नाग ने पीडब्ल्यूडी ठेकेदार और बीएसपी माइंस प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इनकी लापरवाही के कारण सड़क बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। उबड़-खाबड़ सड़क की वजह से 108 एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इसके अलावा, रोजाना हिचकोले खाते हुए स्कूल जाने वाले बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है, जिससे अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं।

20 घंटे से लगालंबा जाम

पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ने बताया कि भारी ट्रकों की लगातार आवाजाही से स्थिति भयावह हो चुकी है। कलगाँव आईटीआई के पास माइंस के भारी वाहनों के कारण लगभग 20 घंटे से भी अधिक समय से कई किलोमीटर लंबा जाम लगा हुआ है। आम जनता को घंटों जाम में फंसना पड़ रहा है और हादसों का खतरा बना हुआ है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और माइंस प्रबंधन पूरी तरह मौन साधे हुए हैं। युथ विंग के जिलाध्यक्ष बारसू हुपेंडी ने प्रशासनिक तंत्र पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर कब तक क्षेत्र की जनता इस अव्यवस्था का दंश झेलेगी? क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

आम आदमी पार्टी और स्थानीय ग्रामीणों की मुख्य मांगें

अंतागढ़-नारायणपुर मार्ग का तत्काल डामरीकरण/मरम्मत कार्य शुरू किया जाए। सड़क निर्माण पूरा होने तक माइंस के भारी ट्रकों की आवाजाही पर तुरंत रोक लगाई जाए।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

आप के कांकेर जिला महासचिव शिव पोटाई ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द ही सड़क की मरम्मत नहीं कराई और भारी वाहनों के परिवहन पर रोक नहीं लगाई, तो पार्टी स्थानीय ग्रामीणों को साथ लेकर सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पूर्व घोर नक्सल प्रभावित पीड़ियाकोट में पहली बार हुआ संस्थागत प्रसव

मायका सेंटर डुंगा में दो महिलाओं ने सुरक्षित रूप से बच्चों को दिया जन्म, जच्चा-बच्चा सभी स्वस्थ

नारायणपुर। अबूझमाड़ के दुर्गम एवं पूर्व में घोर नक्सल प्रभावित रहे ग्राम पीड़ियाकोट में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। गांव में पहली बार दो गर्भवती महिलाओं का सफलतापूर्वक संस्थागत प्रसव कराया गया। यह उपलब्धि दुर्गम क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा सुरक्षित मातृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्राम पीड़ियाकोट निवासी दशरी, पति बुधराम, आयु 38 वर्ष एवं सुधरी, पति मुरा, आयु 35 वर्ष को स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा सुरक्षित मातृत्व एवं संस्थागत प्रसव के संबंध में निरंतर परामर्श दिया गया। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दोनों महिलाओं एवं उनके परिवारों को संस्थागत प्रसव के महत्व तथा मायका सेंटर में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी गई। काउंसलिंग के पश्चात दोनों गर्भवती महिलाओं को दुर्गम मार्गों से बाइक एम्बुलेंस के माध्यम से मायका सेंटर डुंगा पहुंचाया गया। मायका सेंटर में दोनों महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यक देखभाल एवं सतत निगरानी की गई। 26 जुलाई को दशरी ने 2.480 किलोग्राम वजन के एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया, जबकि सुधरी ने 2.400 किलोग्राम वजन की एक स्वस्थ बालिका को जन्म दिया। वर्तमान में दोनों माताएं एवं दोनों नवजात स्वस्थ हैं तथा स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच एवं देखभाल की जा रही है। पूर्व में घोर नक्सल प्रभावित रहे पीड़ियाकोट जैसे दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्र में स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंच सीमित रहने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य अमले की सतत काउंसलिंग, नियमित संपर्क एवं बाइक एम्बुलेंस की सुविधा ने दोनों गर्भवती महिलाओं को समय रहते स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मायका सेंटर की पहल से दुर्गम क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल, सुरक्षित ठहराव, नियमित स्वास्थ्य जांच, संस्थागत प्रसव तथा प्रसव उपरांत आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पीड़ियाकोट में पहली बार संस्थागत प्रसव का सफलतापूर्वक होना स्वास्थ्य सेवाओं की अंतिम छोर तक पहुंच और समुदाय में संस्थागत प्रसव के प्रति बढ़ते विश्वास का सशक्त उदाहरण है।

सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की बैठक संपन्न: 19 अगस्त को कांकेर में जिला स्तरीय प्रदर्शन की तैयारी

दुर्गूकोंदल। दुर्गूकोंदल ब्लॉक के ग्राम कोदापाखा में छत्तीसगढ़ सर्व पिछड़ा वर्ग समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज को संगठित एवं एकजुट करना रहा। इस दौरान आगामी 19 अगस्त को कांकेर जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले विशाल प्रदर्शन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज को मजबूती देने के लिए हर परिवार से कम से कम एक व्यक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान समाज का सदस्यता अभियान भी चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। पदाधिकारियों ने समाज के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए तीन चरणों में आंदोलन करने की योजना सार्वजनिक की प्रथम चरण में बस्तर संभाग के सभी जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन, द्वितीय चरण में संभाग स्तरीय विशाल आंदोलन, तृतीय चरण में प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन।

जनसंपर्क और शत-प्रतिशत सहभागिता का आह्वान: बैठक में वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना और हर गांव में जनसंपर्क अभियान चलाना अनिवार्य है। इसके लिए घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। आंदोलन में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों–सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। संगठित समाज ही मजबूत समाज होता है। आइए, अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई के लिए 19 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में कांकेर पहुँचकर इतिहास रचें। इस बैठक में सुकाल राम, मनु यादव, सत्तू राम यादव, अशोक यादव, लखन लाल सिन्हा, रमेश सिन्हा, नागेश पाण्डे, शिव प्रसाद दिवान, विष्णु प्रसाद पटेल, हरेश चक्रधारी, यशवंत चक्रधारी उपस्थित रहे।

मूर्तिकला एवं टेराकोटा शिल्पकार परमेश्वर चक्रधारी 'कला गुरु सम्मान 2026' से सम्मानित

भानुप्रतापपुर। संस्कार भारती इकाई कांकेर द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कला के देवता भगवान नटराज और मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ 'कला गुरु सम्मान' समारोह अत्यंत गरिमामय माहौल में आयोजित किया गया। मांझा पारा स्थित श्री सत्य साई भवन में आयोजित इस समारोह में क्षेत्र के प्रसिद्ध मूर्तिकला व टेराकोटा शिल्पकार परमेश्वर चक्रधारी को 'कला गुरु सम्मान 2026' से नवाजा गया।

संघर्ष, साधना और उपलब्धियों की यात्रा: कांकेर जिले के ग्राम बांसला ब्लॉक भानुप्रतापपुर के निवासी परमेश्वर चक्रधारी बीते डेढ़ दशक से अधिक समय से मूर्तिकला एवं टेराकोटा शिल्प के क्षेत्र में अपनी अनूठी कला साधना में लीन हैं। शिक्षण-प्रशिक्षण और कठिन संघर्षों से होकर गुजरी उनकी यह कला कई राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त कर चुकी है और वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर के सम्मान के लिए नामांकित हुई है। परमेश्वर ने अपनी इस मिट्टी की सौंधी सुगंध को न केवल जीवंत रखा है, बल्कि कला की परंपरा को आगे भी बढ़ा रहे हैं। समारोह के दौरान भावुक होते हुए उन्होंने साझा किया कि उनकी धर्मपत्नी व शिष्या बसंती चक्रधारी द्वारा माटी से गढ़ी गई 'आदिवासी घोटुल' कलाकृति को भी राज्य स्तरीय सम्मान के लिए नामांकित किया गया है।

भव्य सम्मान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां: समारोह में रामशरण जैन द्वारा परमेश्वर का तिलक-चंदन लगाकर वंदन किया गया। तत्पश्चात संस्था द्वारा शॉल, श्रीफल, मोमेंटो, सम्मान पत्रक एवं नगद राशि भेंट कर उनका भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी बसंती चक्रधारी का भी शॉल एवं श्रीफल से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना6 और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंच संचालन कर रहे प्रांत मंत्री रिजेंद्र गंजीर ने अपनी स्वरचित पंक्तियों से वातावरण को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान सत्य साई बाबा समिति की भजन मंडली ने भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय कर दिया।

100 से अधिक लोगों को दे चुके हैं प्रशिक्षण: उल्लेखनीय है कि परमेश्वर चक्रधारी ने माटी कला बोर्ड, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड, जिला पंचायत और धात्री फाउंडेशन हैदराबाद के सहयोग से अब तक 100 से भी अधिक लोगों को शिल्प कला का निःशुल्क व व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने प्रकाश विद्या निकेतन विशाखापत्तनम और मोनेट फाउंडेशन मंदिर हसौद, रायपुर जैसे प्रमुख शैक्षणिक व सामाजिक संस्थानों में भी कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

जल्द आयोजित होगी राज्य स्तरीय कार्यशाला: समारोह के समापन अवसर पर परमेश्वर चक्रधारी एवं बसंती चक्रधारी ने स्थानीय युवाओं व कलाकारों के लिए जल्द ही एक राज्य स्तरीय मूर्तिकला व टेराकोटा शिल्प कला कार्यशाला सह प्रशिक्षण आयोजित करने की योजना पर अपनी सहमति दी।

प्रबुद्ध जनों की रही गरिमामयी उपस्थिति: कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. गीता शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, शिव सिंह भदौरिया, महामंत्री अवधेश लारिया, उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, रीना लारिया, रामशरण जैन, संतोष श्रीवास्तव, गोपी रमानी, जगदीश मरावी, ललिता केमरो, डॉ. गोवर्धन नेताम, डॉ. राज सिंह मंडावी, सुरेश रायकवार, शीला जैन, सुनीता शर्मा, कांता मोटवानी, गुलाब साहू सहित बड़ी संख्या में कलाप्रेमी व संस्कार मित्र उपस्थित थे। अंत में अवधेश लारिया ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

ज्ञानेश्वरी यादव ने बढ़ाया प्रदेश का मान: भाजयुमो

जिला अध्यक्ष नागेश देवांगन ने कहा दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता

कोंडागांव। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नागेश देवांगन ने ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमण्डल खेल-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगाँव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव को बधाई देते हुए कहा है कि यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। नागेश देवांगन ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। भाजयुमो जिला अध्यक्ष नागेश देवांगन ने कहा कि महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में कुल 199 किलोग्राम वजन उठाकर ज्ञानेश्वरी ने न केवल देश के लिए पदक जीता, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी। नागेश देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व वाली भाजपा की राज्य सरकार प्रदेश की युवाओं को हरसम्भव मदद पहुँचा रही है। प्रदेश के युवा खेल के साथ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़े इसके लिए सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफटर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। इससे प्रदेश के युवाओं में रुचि बढ़ेगी। नागेश देवांगन ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल की है। उनकी सफलता प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदार हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती। राज्य सरकार ने उन्हें आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी उपलब्धि का सम्मान हो और प्रदेश के अन्य खिलाड़ी भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित हों। भाजयुमो जिला अध्यक्ष नागेश देवांगन ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार मातृशक्ति को आगे बढ़ने का पूरा अवसर दे रही है जिससे महिलाएँ को हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के अधिक-से-अधिक खिलाड़ी ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगा लहराएँ तथा देश और प्रदेश का नाम विश्वभर में रोशन करें। ज्ञानेश्वरी यादव जैसी खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ इस दिशा में नई पीढ़ी का आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य करेंगी। नागेश देवांगन ने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी भविष्य में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत और छत्तीसगढ़ का नाम विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएंगी। प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें अवसर देना और उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना सरकार की खेल नीति का महत्वपूर्ण आधार है। यही प्रयास आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को खेलों के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा।

एनएमडीसी अधिकारी मोहित तोमर ने 47वीं बार रक्तदान कर बचाई बुजुर्ग की जान

किरंदुल। नर सेवा ही नारायण सेवा को साकार करते हुए एनएमडीसी बीआईओएम किरंदुल कॉम्प्लेक्स के अधिकारी मोहित तोमर ने 5 अगस्त को 47वीं बार स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। उनका यह दान ओ-निगेटिव दुर्लभ रक्त समूह का था, जो किरंदुल प्रोजेक्ट हॉस्पिटल में एक मरीज के ऑपरेशन के आपातकालीन समय में काम आया।

10 किमी का सफर तय कर पहुंचे मदद को: बचेली के डिपॉजिट 10/11ए स्क्रीन-प्लांट में उप प्रबंधक यांत्रिकी के पद पर कार्यरत तोमर ड्यूटी के लिए निकल ही रहे थे कि उन्हें एक फोन आया। फोन करने वाले युवक ने बताया कि उसकी मां का ऑपरेशन होना है और ओ-निगेटिव रक्त की तत्काल जरूरत है। दुर्लभ रक्त समूह की बात सुनते ही तोमर ने बिना समय गंवाए अपनी धर्मपत्नी के साथ बचेली से लगभग 10 किलोमीटर का सफर तय कर किरंदुल हॉस्पिटल पहुंचे। डॉक्टरों से परामर्श और औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्होंने रक्तदान किया। समय पर रक्त मिल जाने से मरीज के परिजनों ने राहत की सांस ली।

ईश्वर ने बड़ा काम करवाया: रक्तदान के बाद तोमर ने कहा, आज का दिन आत्मसंतुष्टि से भरा है। ईश्वर से प्रार्थना है कि माताजी शीघ्र स्वस्थ हों। भगवान मुझे संबल दे ताकि मैं आगे भी निस्वार्थ भाव से रक्तदान की सेवा जारी रख सकूं। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार नियमित रक्तदान से न केवल जरूरतमंदों को जीवनदान मिलता है, बल्कि दाता का स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। इससे हृदय रोग का खतरा कम होता है और शरीर में नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है। स्थानीय निवासियों, सहकर्मियों और अस्पताल प्रशासन ने तोमर के इस त्याग की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

पटेलपारा में सीसी सड़क निर्माण का भूमिपूजन नपा अध्यक्ष रूबी सिंह ने किया, वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

किरंदुल। नगर पालिका परिषद किरंदुल के वार्ड क्रमांक 18 पटेलपारा में सीसी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह के करकमलों द्वारा किया गया। यह सीसी सड़क मुख्य मार्ग से लक्ष्मण के घर तक निर्मित की जाएगी।

सड़क निर्माण की मांग वार्डवासियों द्वारा कई वर्षों से की जा रही थी। निर्माण से क्षेत्र में आवागमन बेहतर होगा और बरसात में कीचड़ व जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। नपा अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नगर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। जनहित से जुड़े विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। वार्डवासियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा कर समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। वार्ड पार्षद अनिल मरकाम ने कहा कि अध्यक्ष के सहयोग से यह मांग पूरी होने जा रही है, जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और वार्ड के विकास को नई गति मिलेगी। पार्षद लक्ष्मी ठाकुर, यशोदा चुन्नम, बी. रूप रानी, थामस बाबू दुर्गम, इला पटेल, एल्डरमेन सुनीता साहू, पूर्व नपा अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, ए.एम.एन.एस. के डॉ. तेज प्रकाश, उप अभियंता संजय मार्कण्डेय एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जिला स्तरीय अन्तर्विभागीय समन्वयन समिति की बैठक में की समीक्षा

जन्म-मृत्यु पंजीयन को समयबद्ध एवं त्रुटि रहित बनाने के दिए निर्देश

कोण्डागांव। कलेक्ट्रेट सभागार कोण्डागांव में जन्म-मृत्यु पंजीयन व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जन्म एवं मृत्यु पंजीयन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए समयबद्ध पंजीयन और प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य रजिस्ट्रार एवं कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के सभी शासकीय एवं निजी अस्पतालों में जन्म एवं मृत्यु का निर्धारित समय सीमा के भीतर पंजीयन सुनिश्चित करते हुए हितग्राहियों को समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएं। समीक्षा के दौरान जिला अस्पताल कोंडागांव में समय पर जन्म-मृत्यु पंजीयन नहीं किए जाने पर कलेक्टर ने सिविल सर्जन एवं अधीक्षक जिला अस्पताल से स्पष्टीकरण मांगा। साथ ही विलंबित पंजीयन के मामलों में सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को नियमानुसार कार्रवाई करने तथा फर्जी पंजीकरण एवं यूजर आईडी/पासवर्ड के दुरुपयोग को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को वर्ष 2008 के बाद के जन्म-मृत्यु पंजीयन से संबंधित अभिलेखों को डिजिटलाइजेशन के लिए जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि अभिलेखों का सुव्यवस्थित डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

धान खरीदी की परेशानी से बचने किसान 31 अक्टूबर तक एग्रीस्टैक में पंजीयन कराएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में धान बेचने के लिए किसानों को अब राज्य सरकार के एकीकृत किसान पोर्टल पर अलग से पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। धान खरीदी के लिए केवल केंद्र सरकार के एग्री स्टैक पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। खाद्य विभाग ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों, खाद्य संचालक और अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। सबसे बड़ी राहत यह है कि अब सोसायटियों में भी एग्री स्टैक पंजीयन की सुविधा मिलेगी। एग्री स्टैक में पंजीयन कराने के लिए सोसाइटी के ऑपरेटरों का लॉग इन आईडी और पासवर्ड दिया जाएगा, ताकि किसान को पंजीयन के लिए भटकना न पड़े। साथ ही एक ही स्थान पर काम हो जाए। विभाग के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2026-27 में धान बेचने के लिए किसानों का रकबा सिर्फ एग्री स्टैक पोर्टल पर दर्ज डिजिटल क्रॉप सर्वे में दिखने वाले रकबे को ही मान्य किया जाएगा। जिन किसानों ने पिछले सीजन में धान नहीं बेचा और जिनके पास एग्री स्टैक फार्मर आईडी व किसान कोड नहीं है, उन्हें पहले पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा। इसके बाद समिति या उपार्जन केंद्र में जाकर जमीन के खसरे का विवरण, बैंक डिटेल और नॉमिनी की जानकारी ऑनलाइन सोसाइटी मॉड्यूल में दर्ज करानी होगी। यह काम समिति द्वारा किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, प्रदेश में करीब 28 लाख से अधिक किसान पहले से एग्री स्टैक पोर्टल पर पंजीकृत हैं। अब भी लाखों की संख्या में किसान छूटे हुए हैं, इनके पास पंजीयन कराने के लिए 31 अक्टूबर तक का समय है।

बलेनो कार में बना रखा था सीक्रेट चेंबर, 53 किलो गांजा जब्त; पुलिस को देख तस्कर फरार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सिंघोड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एनएच-53 स्थित रेहटीखोल के पास एक लावारिस बलेनो कार से 52.990 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। तस्करों ने गांजा छिपाने के लिए कार की पिछली सीट और छत (रूफ) में विशेष सीक्रेट चेंबर तैयार किया था। पुलिस ने गांजा, कार और दो मोबाइल फोन समेत 29.51 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। पुलिस के मुताबिक, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स के निर्देश पर ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा और राष्ट्रीय राजमार्गों पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ओडिशा नंबर (ओडी 02 बीएफ 1327) की एक बलेनो कार में भारी मात्रा में गांजा लेकर तस्कर छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही सिंघोड़ा थाना पुलिस ने रेहटीखोल के पास नाकाबंदी कर दी। नाकाबंदी के दौरान पुलिस को चेकिंग प्वाइंट से करीब 100 मीटर पहले संदिग्ध बलेनो कार लावारिस हालत में खड़ी मिली। आशंका है कि पुलिस की मौजूदगी देखकर तस्कर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। जब पुलिस ने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में कार की तलाशी ली तो पिछली सीट और रूफ में बने गुप्त चेंबर से 52.990 किलो गांजा बरामद हुआ। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 26.48 लाख रुपये, कार की कीमत 3 लाख रुपये और दो मोबाइल फोन की कीमत 2,500 रुपये आंकी गई है। इस तरह कुल 29.51 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। सिंघोड़ा थाना पुलिस ने फरार चालक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार बाइक ने शिक्षक को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। कटघोरा थाना क्षेत्र में पत्नी को स्कूल छोड़कर लौट रहे एक शिक्षक की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क पार करते समय तेज रफ्तार बाइक ने शिक्षक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल शिक्षक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे में बाइक सवार युवक भी घायल हुआ है, जबकि बाइक पर पीछे बैठा दूसरा युवक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, मृतक शिक्षक अजय थवाईत और उनकी पत्नी दोनों शिक्षक हैं। बुधवार सुबह अजय थवाईत रोज की तरह अपनी पत्नी को एक्टिवा से स्कूल छोड़ने पहुंचे थे। पत्नी को स्कूल गेट पर छोड़ने के बाद शिक्षक पैदल सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शिक्षक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे की सूचना मिलते ही कटघोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल शिक्षक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया। हालांकि, गंभीर चोटों के कारण डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस सड़क हादसे में बाइक चला रहा युवक भी घायल हुआ है। उसे कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। वहीं बाइक पर पीछे बैठा दूसरा युवक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस फरार युवक की तलाश में जुटी है।

रायपुर पश्चिम के 36 शासकीय विद्यालयों में लगेंगे आधुनिक वॉटर कूलर, हजारों विद्यार्थियों को मिलेगा स्वच्छ पेयजल

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत की पहल पर 36 सरकारी विद्यालयों में लगभग 25 लाख रुपये की लागत से आधुनिक वॉटर कूलर स्थापित किए गए हैं। इस पहल से हजारों छात्र-छात्राओं को वर्षभर स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य केवल विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं बढ़ाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और बेहतर शिक्षण वातावरण को भी सुनिश्चित करना है। गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या के कारण बच्चों को होने वाली परेशानियों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। विधायक राजेश मूणत ने कहा कि विद्यालयों में किया गया प्रत्येक विकास कार्य भविष्य की पीढ़ी में किया गया निवेश है। उनका कहना है कि यदि बच्चों को बेहतर सुविधाएं और सम्मानजनक वातावरण मिलेगा तो वे समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रायपुर पश्चिम के सरकारी विद्यालयों में वॉटर कूलर के अलावा प्रार्थना शेड, अतिरिक्त कक्ष, परिसर विकास, वृक्षारोपण, स्वच्छता और अन्य आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है।

सुशासन की नई व्यवस्था

पारस पोर्टल से हर माह होगी योजनाओं की राज्यस्तरीय समीक्षा संपन्न

- शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का करें समयबद्ध क्रियान्वयन , प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले शासन की योजनाओं का लाभ
- जनहित की योजनाओं में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, मुख्यमंत्री साय ने दिए स्पष्ट निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

शासन की योजनाओं का प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित कर आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। डबल इंजन सरकार का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टि से शासन की प्रमुख योजनाओं और जनसेवाओं की नियमित निगरानी के लिए विकसित पारस पोर्टल सुशासन का एक प्रभावी माध्यम बनेगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित पारस पोर्टल की पहली राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने सीएम हेल्पलाइन 1076, सेवा सेतु, एग्रीस्टैक, विकसित भारत जी-रामजी, डीबीएन वित्तपोषित मोबाइल टॉवर परियोजना तथा स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े प्रमुख कार्यक्रमों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित करे। बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने राजस्व विभाग में सीमांकन से संबंधित लंबित मामलों पर विशेष नाराजगी व्यक्त

की। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं और सक्षम अधिकारी के आदेश के बाद भी कई मामलों में समय पर सीमांकन नहीं हो रहा है। यह स्थिति आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी में डालती है तथा प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीमांकन संबंधी प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जमीनी स्तर पर लापरवाही तथा जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग के अभाव का परिणाम है। सभी कलेक्टर नियमित समीक्षा कर ऐसे मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने एग्रीस्टैक में प्रत्येक पात्र किसान का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह केवल धान खरीदी की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की आधारभूत व्यवस्था है। उन्होंने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि जिलेवार विशेष अभियान संचालित कर प्रत्येक पात्र किसान का समय पर पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष व्यवस्था के प्रारंभिक चरण में कुछ व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आई थीं, लेकिन इस वर्ष किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही के कारण कोई पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित होता है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन 1076 का उद्देश्य नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से बचाना है। उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन को जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

सीएम हेल्पलाइन का असर: किसान अस्मलाल साहू की समस्या का तुरंत समाधान किया गया

- बेनूर समिति को मिले शेष डीएपी वितरण के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में सुशासन, जवाबदेही और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के जरिए आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे शासन के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत हो रहा है ।सुशासन की दिशा में सीएम हेल्पलाइन किसानों के लिए एक भरोसेमंद माध्यम साबित हो रही है। नारायणपुर जिले के बेनूर सेवा सहकारी समिति अंतर्गत आने वाले ग्राम के किसान अस्मलाल साहू की डीएपी उर्वरक से जुड़ी समस्या का विभाग ने प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कर दिया है। कृषि कार्य के लिए आवश्यक खाद समय पर न मिलने से परेशान किसान अस्मलाल साहू ने अपनी समस्या को लेकर 16 जुलाई 2026 को सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी। अस्मलाल साहू का कहना था कि एक हेक्टेयर भूमि के लिए पर्याप्त डीएपी खाद की आवश्यकता थी, लेकिन निर्धारित कोटा पूरा न होने के कारण खेती-किसानी प्रभावित हो रही थी। शिकायत मिलते ही कृषि और सहकारिता विभाग हरकत में आया। मार्कफेड द्वारा पहले ही बेनूर समिति को पर्याप्त मात्रा में

326.16 टन यूरिया और 245 टन डीएपी उपलब्ध कराया जा चुका था। समस्या की वस्तुस्थिति जानने के लिए अधिकारियों ने शिकायतकर्ता से मोबाइल नंबर पर सीधा संपर्क साधा। प्रकरण के त्वरित निपटारे के लिए विभाग ने किसान अस्मलाल साहू और बेनूर सोसायटी के प्रभारी उमेश नायक के बीच कॉन्फ्रेंस कॉल के जरिए संवाद कराया। चर्चा के दौरान सोसायटी प्रभारी ने स्पष्ट किया कि किसान को पहले ही आंशिक मात्रा में खाद दी जा चुकी है। विभागीय निर्देशों के बाद समिति प्रभारी ने शेष आवश्यक डीएपी खाद नियमानुसार तत्काल उपलब्ध कराने की सहमति दी। विभागीय तत्परता और समस्या के समयबद्ध समाधान पर किसान अस्मलाल साहू ने पूर्ण संतोष व्यक्त किया।आउटबाउंड सत्यापन कॉल में शिकायतकर्ता की सहमति मिलने के बाद सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरण को सफलतापूर्वक बंद कर दिया गया। इस पहल ने एक बार फिर साबित किया है कि सरकार किसानों की हर समस्या के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

उप मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति भवन से आमंत्रण मिलने पर रेणुका गोस्वामी को दी बधाई

- धमतरी की बेटी ने कौशल विकास के दम पर रची सफलता की नई इबारत, स्वतंत्रता दिवस समारोह में होंगी शामिल

रायपुर/ संवाददाता

धमतरी जिले के ग्राम नवागांव की बेटी रेणुका गोस्वामी को आगामी 15 अगस्त के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए आमंत्रण मिलने पर उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल रेणुका गोस्वामी की मेहनत और प्रतिभा का गौरव है, बल्कि छत्तीसगढ़ की बेटियों, ग्रामीण युवाओं और कौशल विकास की सफलता का भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि रेणुका गोस्वामी ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने जीवन को नई दिशा दी और आज वे अपने परिश्रम एवं प्रतिभा के बल पर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। उनका राष्ट्रपति भवन तक पहुंचना प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का विषय है। सुश्री रेणुका गोस्वामी धमतरी जिले के ग्राम नवागांव की निवासी हैं। उन्होंने वर्ष 2018 में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया और कॉर्पोरेट क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत की। निरंतर मेहनत, कौशल और लगन के बल पर उन्होंने विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्य करते हुए अपनी पहचान बनाई। वर्तमान में वे रायपुर के एक प्राइवेट फर्म में एचआर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं तथा लगभग 40 हजार रुपए प्रतिमाह का वेतन प्राप्त कर रही हैं। उनकी सफलता से परिवार की आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। रेणुका गोस्वामी जैसी सफल युवतियां इस बात का प्रमाण हैं कि सही मार्गदर्शन, कौशल प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प के बल पर ग्रामीण अंचल के युवा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं।

एक सप्ताह में मिला जाति प्रमाण पत्र

सेवा सेतु बना आमजन का भरोसेमंद डिजिटल साथ.....

रायपुर/ संवाददाता

सरकारी सेवाओं को आम नागरिक तक सरल, त्वरित और पारदर्शी तरीके से पहुंचाने की दिशा में सेवा सेतु प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मोहड़ निवासी यादव राम चंद्राकर इसके उदाहरण हैं। उन्होंने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से जाति प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन किया और महज एक सप्ताह के भीतर उनका प्रमाण पत्र जारी हो गया। इससे न केवल उनका समय बचा, बल्कि कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने और अनावश्यक खर्च से भी राहत मिली। यादव राम चंद्राकर

बताते हैं कि पहले छोटे-छोटे प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। आवेदन की स्थिति जानने में भी काफी समय और मेहनत लगती थी। लेकिन सेवा सेतु ने पूरी प्रक्रिया को आसान, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बना दिया है। अब घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह व्यवस्था ग्रामीण नागरिकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित हो रही है। उल्लेखनीय है कि पहले प्रदेश में ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म के माध्यम से केवल 86 शासकीय सेवाएं उपलब्ध थीं। बदलती जरूरतों को देखते हुए इसका उन्नत संस्करण सेवा सेतु विकसित किया गया, जिसमें अब 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन मंच पर उपलब्ध हैं। इससे शासन की सेवाएं अधिक सुलभ, पारदर्शी और समयबद्ध हुई हैं।

लिव-इन में रह रही युवती की हत्या, युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के मुजगहन थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही एक आदिवासी युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस इसे हत्या का मामला मानकर जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक, युवती अपने साथी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। आशंका है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद युवती की हत्या कर दी गई। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को बड़ी उपलब्धि

किसानों की आय में वृद्धि और हरित अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया बल

- सीबीजी इकोसिस्टम के विकास के लिए भारत सरकार ने स्वीकृत किए 50 करोड़ रुपये
- स्वच्छ ऊर्जा, किसानों की आय में वृद्धि और हरित अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया बल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में छत्तीसगढ़ को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि प्राप्त हुई है। राज्य में कम्प्रेस्ड बायोगैस इकोसिस्टम के विकास के लिए किए जा रहे नवाचारों और प्रभावी प्रयासों की सराहना करते हुए भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पूंजीगत निवेश विशेष सहायता योजना 2026-27 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 50 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। इस योजना के तहत यह प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जैव ईंधन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहा है और यह उपलब्धि उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग तथा छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को इस सफलता के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति राज्य के कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण क्षेत्र में परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगी। इससे कृषि अवशेषों का

वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित होगा, किसानों को अतिरिक्त आय का नया स्रोत मिलेगा तथा पराली और अन्य जैव अवशेषों के बेहतर प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए हरित अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ को जैव ईंधन एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। सीबीजी नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में निवेश, रोजगार, किसानों की आय, जैविक खेती और पर्यावरण संरक्षण को नई गति मिलेगी तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी। राज्य सरकार ने कम्प्रेस्ड बायोगैस परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति-2026 को 8 जून 2026 को अधिसूचित किया है। इस नीति के माध्यम से राज्य में उपलब्ध कृषि अपशिष्ट, पैडी स्ट्रॉ तथा अन्य बायोमास का वैज्ञानिक रूपांतरण कर औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उपयोग के लिए स्वच्छ गैसीय ईंधन का उत्पादन किया जाएगा। इससे किसानों को बायोमास की आपूर्ति से अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, वहीं संयंत्रों से प्राप्त जैविक खाद जैविक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने सीबीजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने, उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्यप्रणाली विकसित करने पर विशेष जोर दिया है। इसी क्रम में 3 अगस्त 2026 को मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में प्रमुख सचिव, ऊर्जा विभाग श्री सुबोध कुमार सिंह की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में राज्य में सीबीजी परियोजनाओं के त्वरित विकास के लिए बायोमास संग्रहण व्यवस्था, सिंगल विंडो क्लीयरेंस, जैव उर्वरक के उपयोग, विभागीय समन्वय तथा निवेश प्रोत्साहन जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

विद्यार्थियों को कौशल विकास, निरंतर सीखने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करने के लिए किया प्रेरित

केवल गिनती की पढ़ाई नही, कौशल विकास और सीखने की क्षमता भी जरूरी : वित्त मंत्री चौधरी

दुर्ग। रूंगटा इंटरनेशनल स्किल यूनिवर्सिटी भिलाई में आयोजित 'विद्यारंभ 2.0' कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में देश के 15 विभिन्न राज्यों से आए बच्चे एवं उनके अभिभावकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर वित्त मंत्री चौधरी ने विद्यार्थियों को कौशल विकास, निरंतर सीखने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए सतत प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। वित्त मंत्री चौधरी ने अपने जीवन के संघर्षों और सफलता की यात्रा को विद्यार्थियों के साथ साझा करते हुए बताया कि विपरीत एवं कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहे। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल गिनती

की पढ़ाई करने से जीवन में आगे नहीं बढ़ा जा सकता। आज के बदलते समय में कौशल विकास, ज्ञान में निरंतर वृद्धि और सीखते रहने की क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत, प्रतिभा और सीखने की क्षमता के बल पर आगे बढ़ना चाहिए तथा समय के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। नई तकनीक, नए विचार और नए कौशल को अपनाने की क्षमता व्यक्ति को प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सफल बनाती है। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी के भीतर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का जुनून होना चाहिए। जब लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे हासिल करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लगातार प्रयास किया जाए, तो दुनिया की कोई भी ताकत सफलता प्राप्त करने से नहीं रोक सकती। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और कभी भी स्वयं को कमजोर नहीं समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली परेशानियों और चुनौतियों से घबराने के बजाय उनका स्वागत करना चाहिए, क्योंकि कठिन परिस्थितियां व्यक्ति को मजबूत बनने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। मुश्किलों का डटकर सामना करने से ही व्यक्ति का व्यक्तित्व निखरता है और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में बड़ी-बड़ी चुनौतियां आएंगी, लेकिन धैर्य, परिश्रम, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति के साथ उनका सामना करना चाहिए। बदलते समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपने कौशल का विकास करें, ज्ञान बढ़ाएं और जीवन में निरंतर सीखते रहें। इस अवसर पर प्रसिद्ध उद्यमी एवं कंटेंट क्रिएटर अंकुर वारिकू भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अपने जीवन और करियर में आए विभिन्न बदलावों तथा उनसे प्राप्त अनुभवों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। अपनी बेबाक एवं पारदर्शी सोच तथा असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने के दृष्टिकोण के लिए पहचाने जाने वाले अकुर वारिकू ने अपने करियर में किए गए पांच प्रमुख बदलावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में एक स्टार्टअप की शुरुआत की। युवाओं एवं पेशेवरों को किफायती और उपयोगी जीवन-कौशल आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वेबवेदा की शुरुआत की। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि करियर में बदलाव और असफलताएं जीवन का हिस्सा हैं। बदलते समय के साथ निरंतर नया सीखते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर संजय रूंगटा, संतोष रूंगटा, संजिव शुक्ला, चिन्मय चंद्राकर, वेणू गोपाल एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक सहित रूंगटा यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

जिले में पनीर एनालॉग एवं नकली दुग्ध उत्पादों के निर्माण, भंडारण व बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध

दुर्ग। सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण, उपभोक्ता हितों की रक्षा तथा खाद्य व्यापार में निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा राज्य में पनीर एनालॉग तथा गैर-दूध खाद्य उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण एवं बिक्री पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा, छत्तीसगढ़ द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 18 एवं धारा 30 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया गया है। इसके अंतर्गत ऐसे किसी भी गैर-दूध उत्पाद जो असली पनीर, क्रीम, मक्खन या अन्य दुग्ध उत्पादों की नकल (इमिटेशन) करते हैं, उनके संपूर्ण चक्र पर रोक लगा दी गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, जिला दुर्ग के अभिहित अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के समस्त खाद्य कारोबारकर्ताओं जैसे निर्माता फर्म, डेयरी फर्म, होटल, रेस्टोरेंट, थोक विक्रेता एवं फुटकर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे पनीर एनालॉग या नकली दुग्ध उत्पादों का निर्माण, भंडारण, परिवहन व विक्रय तुरंत बंद करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, निर्माता फर्में अपने लाइसेंस से एनालॉग उत्पादों को हटाने हेतु तत्काल आवश्यक सुधार करें। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। व्यवस्था को प्रभावी बनाने एवं व्यवसायियों को जागरूक करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा शीघ्र ही होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों की एक विशेष बैठक आयोजित कर इस प्रतिबंधात्मक आदेश और खाद्य सुरक्षा मानकों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी।

साथ ही, जिले में सघन जांच अभियान भी संचालित किया जाएगा।

भिलाई में अवैध बैनर-पोस्टरों पर निगम का शिकंजा : निगम-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, शहर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने अभियान तेज

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए अवैध बैनर-पोस्टरों के खिलाफ विशेष अभियान तेज कर दिया है। निगम प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम लगातार प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों तथा सार्वजनिक स्थलों पर लगे अनधिकृत बैनर-पोस्टरों को हटाने की कार्रवाई कर रही है। निगम अधिकारियों के अनुसार शहर के विद्युत पोल, डिवाइडर, सड़क किनारे और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति लगाए गए सामाजिक, राजनीतिक एवं अन्य प्रचार संबंधी बैनर-पोस्टर न केवल शहर की सुंदरता को प्रभावित करते हैं, बल्कि यातायात व्यवस्था के लिए भी गंभीर समस्या उत्पन्न करते हैं।

ऐसे पोस्टर और होर्डिंग वाहन चालकों का ध्यान सड़क से भटकाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं व्यस्त चौक-चौराहों का निरीक्षण कर बड़ी संख्या में अवैध बैनर-पोस्टरों को हटाया। कार्रवाई के दौरान विद्युत पोल, सड़क किनारे तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए अनधिकृत प्रचार सामग्री को हटाकर मार्गों को व्यवस्थित किया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों, विद्युत पोल एवं यातायात प्रभावित करने वाले क्षेत्रों में बिना अनुमति बैनर-पोस्टर लगाना नियमों का उल्लंघन है।

ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों एवं संगठनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य केवल अवैध प्रचार सामग्री हटाना नहीं, बल्कि शहर की सुंदरता को बनाए रखना, यातायात व्यवस्था को सुचारु करना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है।

यह अभियान आगामी दिनों में भी

सावन के प्रथम सोमवार पर सिंधिया नगर में भक्ति की बही सरिता, भजन-कीर्तन व महाप्रसाद का हुआ आयोजन

महिलाओं ने विधि-विधान से की भगवान शिव की पूजा-अर्चना, हर वर्ष निभाई जा रही आस्था की परंपरा

दुर्ग। सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर सिंधिया नगर वार्ड क्रमांक 21 में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नीलू सिंह के सिंधिया नगर निवास पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, महिलाओं एवं युवाओं ने सहभागिता कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन एवं संगीतमय प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर

कर दिया। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर रंग-बिरंगी चूड़ियों एवं सोलह श्रृंगार के साथ भगवान महादेव की पूजा-अर्चना की तथा सावन सोमवार का व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। महिलाओं की श्रद्धा और उत्साह ने पूरे आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। नीलू संजय सिंह ने बताया कि सावन के प्रथम सोमवार का यह धार्मिक आयोजन पिछले कई वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष भजन-कीर्तन, संगीतमय प्रस्तुति, पूजा-पाठ एवं महाप्रसाद के माध्यम से क्षेत्रवासियों को एक साथ जोड़ने और धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाता है।

मध्यस्थता एवं राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु न्यायाधीशों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

दुर्ग। राष्ट्रीय लोक अदालत को अधिकाधिक सफल बनाने के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा एवं रणनीतिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता के. विनोद कुजूर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा की गई। बैठक में मध्यस्थता केन्द्र दुर्ग के प्रभारी न्यायाधीश अनिष दुबे एवं जिला मुख्यालय में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। उक्त बैठक में मध्यस्थता एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिकाधिक प्रकरणों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि अभियान का मूल उद्देश्य ऐसे सभी लंबित प्रकरणों की पहचान कर उन्हें मध्यस्थता के लिए प्रोत्साहित करना है, जिनमें आपसी सहमति एवं समझौते की पर्याप्त संभावना विद्यमान है। इस अभियान के माध्यम से न्यायालयों में लंबित वादों की संख्या में कमी लाने के साथ-साथ पक्षकारों को कम समय, कम खर्च एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में न्याय उपलब्ध कराया जा सकेगा।

विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना-2025 पर संभाग स्तरीय तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दुर्ग। विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना-2025 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पंचायत प्रतिनिधियों की क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से 3, 4 एवं 5 अगस्त तक दुर्ग संभाग में तीन दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दुर्ग एवं बालोद जिले के जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान विकसित ग्राम पंचायत योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर वैज्ञानिक, सहभागी एवं साक्ष्य-आधारित विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर एवं सहायक परियोजना अधिकारी जिला दुर्ग अरदीप ढीढ़ी तथा सहायक परियोजना अधिकारी जिला बालोद ओमप्रकाश साहू ने विकसित ग्राम पंचायत योजना के विभिन्न मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन, गैप एनालिसिस, संसाधन मानचित्रण, जीआईएस, पीएम गतिशक्ति प्लेटफॉर्म, आधारभूत संरचना की कमियों के विश्लेषण तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं के प्रभावी अभिसरण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना-2025 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को वैज्ञानिक एवं साक्ष्य-आधारित योजना निर्माण के माध्यम से आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं विकासोन्मुख बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण में विकसित भारत जी-राम ग्रामीण योजना-2025 के उद्देश्य, ग्राम पंचायत विकास योजना, आजीविका संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, पारदर्शिता, सुशासन एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

साथ ही पंचायतों के प्रभावी संचालन

ग्राम पंचायतों में डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) के सुरक्षित उपयोग हेतु आवश्यक निर्देश

दुर्ग। ग्राम पंचायतों में शासकीय कार्यों के निष्पादन और वित्तीय भुगतानों में पारदर्शिता व सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), जिला पंचायत दुर्ग बीके दुबे ने महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किया है। इसके तहत जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन के अंतर्गत आने वाले सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों और सचिवों को अपने डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी), पासवर्ड एवं ओटीपी की सुरक्षा एवं अभिरक्षण के संबंध में कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 66 (पंचायत निधि) का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया गया है कि ग्राम पंचायत निधि से राशि का आहरण सरपंच तथा सचिव (या मुख्य

कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्राधिकृत अधिकारी/कर्मचारी) के संयुक्त हस्ताक्षर से ही किया जा सकता है। अतः वित्तीय प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए यह निर्देश जारी किया गया है कि सरपंच एवं सचिव अपनी डीएससी, पासवर्ड या ओटीपी किसी भी स्थिति में किसी अन्य व्यक्ति, कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर अथवा सेवा प्रदाता को न तो सौंपेंगे और न ही अपनी जगह किसी अन्य से इसका उपयोग करवाएंगे। जिला पंचायत सीईओ दुबे ने कहा कि डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) का उपयोग केवल संबंधित सरपंच और सचिव द्वारा स्वयं ही किया जाना अनिवार्य है। यदि डीएससी के किसी भी प्रकार के दुरुपयोग या अनधिकृत उपयोग से कोई प्रशासनिक, वित्तीय अथवा विधिक (कानूनी) समस्या उत्पन्न होती है, तो इसके लिए संबंधित सरपंच एवं सचिव स्वयं व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

बारिश से बचाने शेड में रखा भूसी को सुरक्षित, कई सोसाइटियों में आज भी पड़े हैं खुले में जिम्मेदार है मौन

पाटन/अमलेश्वर। पाटन ब्लॉक अंतर्गत जहां कई धान खरीदी केंद्रों में बारिश के कारण भूसी खुले में सड़ रही है और समितियों को आर्थिक नुकसान उठाने की आशंका बनी हुई है, वहीं उत्तर पाटन के ग्राम झीट धान खरीदी केंद्र से एक सकारात्मक और अनुकरणीय खबर सामने आई है। यहां धान खरीदी में उपयोग होने वाली भूसी को सुंदर ढंग से व्यवस्थित कर शेड के अंदर सुरक्षित रखा गया है। सेवा सहकारी समिति झीट के समिति प्रबंधक पुरुषोत्तम सिन्हा तथा प्राधिकृत अध्यक्ष धर्मेंद्र कौशिक की सूझबूझ के चलते धान खरीदी पूर्ण होने और धान का उठाव होते ही उपयोग की गई भूसी को सुरक्षित रखने का कार्य शीघ्रता से पूरा कर लिया गया। समिति प्रबंधन की इस पहल की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

समिति प्रबंधक पुरुषोत्तम सिन्हा ने बताया कि भूसी को सुरक्षित नहीं रखने से आने वाले समय में समितियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। खुले में पड़ी भूसी पर जहरीले जीव-जंतुओं का बसेरा होने का भी खतरा रहता है, इसलिए इसे सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से रखना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि आज भी पाटन ब्लॉक के कई धान खरीदी केंद्रों में भूसी खुले में पड़ी हुई है और लगातार बारिश के कारण खराब हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार विभागीय अधिकारी समिति प्रबंधकों को आवश्यक निर्देश देने के बाद अब मौन साधे हुए हैं, जिससे समितियों को नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। आपको बता दें जहां जहां शेड का निर्माण है वहां भूसी को बारिश में सुरक्षित किया जा सकता है।लेकिन शेड होने के बाद भूसी सुरक्षित नहीं होने से समितियों को आर्थिक नुकसान हो सकता है।

तुकाराम चंद्रवंशी की टिप्पणी पर भड़का महिला मोर्चा, माफी नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के खिलाफ कांग्रेस नेता तुकाराम चंद्रवंशी की कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर जिले की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने पंडरिया में सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेता के खिलाफमोर्चा खोल दिया। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने तुकाराम चंद्रवंशी के प्रतीकात्मक चित्र पर जूते की माला पहनाकर अपना आक्रोश जताया और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि तुकाराम चंद्रवंशी सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं तो आंदोलन पूरे जिले में चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने कहा कि किसी भी महिला जनप्रतिनिधि के खिलाफ अमर्यादित और अपमानजनक भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है। उनका कहना था कि यह केवल विधायक भावना बोहरा का नहीं, बल्कि प्रदेश की सभी महिलाओं के सम्मान का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ नेताओं की भाषा और व्यवहार

महिलाओं के प्रति उनकी सोच को उजागर करता है, जिसे समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष अंजू शर्मा ने कहा कि विधायक भावना बोहरा के खिलाफ की गई टिप्पणी प्रत्येक महिला के आत्मसम्मान पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि राजनीति में विरोध और वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी महिला के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भाजपा महिला मोर्चा महिला सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी और यदि सार्वजनिक माफी नहीं मांगी गई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री गौरी साहू ने कहा कि लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा बनाए रखना सभी जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। व्यक्तिगत और अभद्र टिप्पणियां राजनीतिक संस्कृति को कमजोर करती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता तुकाराम चंद्रवंशी को अपनी टिप्पणी पर तत्काल सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। अन्यथा महिला मोर्चा जिला ही नहीं, बल्कि प्रदेश स्तर तक इस मुद्दे को लेकर व्यापक आंदोलन करेगा। विरोध प्रदर्शन में महिला मोर्चा की जिला एवं मंडल स्तर की पदाधिकारी, बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता तथा भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में महिला सम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं के सम्मान से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की समझौता नीति नहीं अपनाई जाएगी। समाचार लिखे जाने तक कांग्रेस नेता तुकाराम चंद्रवंशी की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। ऐसे में यह मामला जिले की राजनीति में नया विवाद बनता दिखाई दे रहा है। यदि सार्वजनिक माफी नहीं आती है, तो भाजपा महिला मोर्चा के आंदोलन के अगले चरण को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम पथराटोला में आंगनबाड़ी केन्द्र एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को आंगनबाड़ी केन्द्र एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र के व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके दौरान कलेक्टर मिश्रा ने आंगनबाड़ी केन्द्र में पहुँचकर नन्हें-मुन्हें बच्चों को अपना स्नेह एवं दुलार देते हुए आंगनबाड़ी केन्द्र में प्रतिदिन मिलने वाली भोजन एवं नाश्ता के अलावा पढ़ाई-लिखाई के संबंध में भी जानकारी ली। इस मौके पर कलेक्टर मिश्रा ने बच्चों को केला एवं खाद्य पदार्थों का वितरण भी किया। कलेक्टर के मधुर एवं स्नेहिल व्यवहार से आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चे बहुत ही अभिभूत नजर आ रहे थे। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से बच्चों की नियमित उपस्थिति के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों को समय पर पौष्टिक भोजन एवं नाश्ता आदि प्रदान करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र के रसोई कक्ष आदि का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर कलेक्टर मिश्रा ने ग्राम पथराटोला में आंगनबाड़ी केन्द्र के समीप स्थित उपस्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से अस्पताल की व्यवस्था के अलावा अस्पताल में आने वाले मरीजों की संख्या एवं इलाज आदि की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली।

शिव संस्कार धाम से 74 कांवरियों का जत्था बाबा धाम के लिए रवाना

दल्लीराजहरा। शिव संस्कार धाम से 74 कांवरियों का जत्था बाबा धाम के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर हिंदू सेना ने कांवरियों को पारंपरिक तरीके से भव्य विदाई दी।जिला अध्यक्ष नंदा पसीने के मार्गदर्शन में शिव संस्कार धाम से रेलवे स्टेशन तक पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान कांवरियों को भगवा गमछा पहनाया गया, माथे पर तिलक लगाया गया और आरती उतारकर उनके मार्ग पर फूलों की वर्षा की गई। कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष बोधन भट्ट विशेष रूप से शामिल हुए। नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू और नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष पूरोबी वर्मा अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। विदाई के

दौरान विभिन्न संस्थाओं ने भी सहयोग किया। व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी ने कांवरियों को पानी की बोतलों का डिब्बा भेंट किया। जगन्नाथ सेवा समिति की ओर से भोजन के पैकेट वितरित किए गए रेलवे प्रबंधन स्टाफ ने बिस्किट और पानी की व्यवस्था की। पदयात्रा में नगर संचालक महेंद्र भाई पटेल, स्वाधीन जैन, जयदीप गुप्ता, रमेश जैन, अशोक लोहिया, प्रेम जायसवाल, पार्षद भूपेंद्र श्रीवास, एल्डरमैन राकेश देवांगन, हिंदू सेवा के पदाधिकारी नगर अध्यक्ष मातृशक्ति संगीता रजक, जिला उपाध्यक्ष ममता पटेल, जिला महामंत्री पद्मिनी साहू, नगर उपाध्यक्ष साक्षी खटवानी, ज्योति राजा भोज, पुष्पा साडिलय, संगठन सचिव गायत्री जैन, सहित हिंदू सेना के सभी पदाधिकारी और शिव संस्कार धाम सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। शहर के गणमान्य नागरिक भी इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए।

निगम की उदासीनता बरकरार : बिना क्लोरीन का पानी शहर में हो रहा सप्लाई, 9 मोटर पंप भी बंद

ननि नेता प्रतिपक्ष से साथी पार्षदों के साथ वॉटर फिल्टर प्लांट का किया निरीक्षण

राजनांदगांव। शहर में गंदे पानी की सलाई हो रही है, लोगों की सेहत पर इसका गंभीर असर पड़ने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। इसे देखते हुए कांग्रेसी पार्षदों ने मोहारा वॉटर फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया तो कई चौंकाने वाली बात सामने आई। यहां से बिना क्लोरिन का पानी सप्लाई किया जा रहा है। प्लांट में 18 में से 09 पंप बंद पड़े हैं। यह पहली मर्तबा नहीं है, जब मोहारा प्लांट को लेकर खामियां सामने आ रही है। लेकिन नगर निगम प्रशासन इस पर खामोश ही बैठा हुआ है। उसकी यह उदासीनता समझ से परे है। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने नगर निगम प्रशासन, महापौर मधुसूदन यादव और भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला।

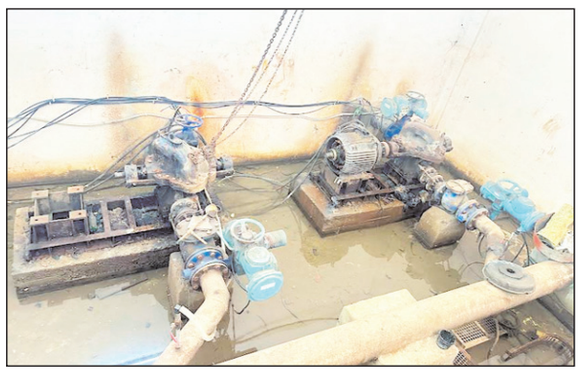

पिल्ले ने आरोप लगाया कि शहर की जनता पिछले कई दिनों से बिना क्लोरीन वाला पानी पीने को मजबूर है जबकि जल संयंत्र में कई गंभीर तकनीकी और प्रशासनिक खामियां बनी हुई हैं। नगर निगम की जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले को उनकी ही पार्टी के पार्षद एवं जल विभाग के पूर्व सभापति सतीश मसीह ने मोहारा जल संयंत्र की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद संतोष पिल्ले सीधे जल संयंत्र पहुंचे और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

फिटकरी की मात्रा भी कम, ये सेहत से खिलवाड़

निरीक्षण के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि जल संयंत्र में पिछले 10 दिनों से क्लोरीन गैस की आपूर्ति बंद है जिससे शहरवासियों को बिना क्लोरीन वाला पानी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि क्लोरीन की जगह केवल ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग किया जा रहा है जो पर्याप्त नहीं है। साथ ही फिटकरी की मात्रा भी बेहद कम है और संयंत्र में केवल पांच दिनों का ही फिटकरी का स्टॉक बचा है। पिल्ले ने कहा कि जल संयंत्र की स्थिति बेहद चिंताजनक है। 18 मोटर पंपों में से 9 पंप बंद पड़े हैं जिससे जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दो नए पंप बिना विधिवत टेंडर प्रक्रिया के लगाए गए हैं जिसकी जांच होनी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने सांसद, विधायक और महापौर पर साधा निशाना

नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने कहा कि निगम प्रशासन पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है और महापौर मधुसूदन यादव इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जल टंकियों की सफाई की तिथि भी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं की जा रही है जिससे लोगों में और अधिक चिंता बढ़ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. रमन सिंह के विधानसभा क्षेत्र की स्थिति पर सवाल उठाते हुए पिल्ले ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहर की जनता को स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा भी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि फिटकरी रायपुर, नागपुर और महाराष्ट्र से मंगाई जा रही है। यदि समय पर इसकी आपूर्ति नहीं हुई तो जलापूर्ति व्यवस्था और अधिक संकट में आ सकती है। उन्होंने भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सांसद, विधायक और महापौर सभी भाजपा के हैं फिर भी शहर की जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ निगम की कार्रवाई, 2600 रुपये जुर्माना वसूला

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार 05 अगस्त 2026 को जोन क्रमांक-01 के वार्ड क्रमांक-03 अंतर्गत मॉडल टाउन क्षेत्र के विनोबा नगर के पास विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, अनुज्ञप्ति लाइसेंस का अभाव, डस्टबिन की व्यवस्था नहीं होने तथा साफ-सफाई का अभाव पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान संतोष किराना स्टोर पर सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 700 रुपये, वर्मा किराना स्टोर पर 700 रुपये सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए तथा 100 रुपये डस्टबिन नहीं रखने पर, मंटू प्रसाद कानू पर 500 रुपये सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर, मंटू प्रसाद कानू आनंद पान पैलेस पर 100 रुपये साफ-सफाई नहीं रखने पर तथा चाय चस्का प्रतिष्ठान पर अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं पाए जाने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार निगम की टीम द्वारा कुल 2600 रुपये की चालानी राशि वसूल की गई। निगम प्रशासन ने प्रतिष्ठान संचालकों को भविष्य में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, प्रतिष्ठान के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, डस्टबिन की व्यवस्था रखने तथा आवश्यक अनुज्ञप्ति लाइसेंस प्राप्त करने के निर्देश दिए।

आईआईटी भिलाई के शोधकर्ताओं ने अपशिष्ट पीईटी प्लास्टिक को पुनः उपयोग योग्य एवं भविष्य की प्रिंटिंग के लिए संभावित सामग्री में बदला

दुर्ग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के शोधकर्ताओं ने पीईटी प्लास्टिक कचरा को एक उच्च-मूल्य वाली पुनः उपयोग योग्य सामग्री में परिवर्तित करने की एक अभिनव तकनीक विकसित की है। इस नई सामग्री को बार-बार नया आकार दी जा सकती है, मरम्मत की जा सकती है तथा पुनर्चक्रित की जा सकती है। यह उपलब्धि प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने, सतत विनिर्माण को बढ़ावा देने तथा चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह शोध आईआईटी भिलाई के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. संजीब बनर्जी के नेतृत्व में प्रियंक सिन्हा, भरतभूषण मेश्राम एवं ओंकारनाथ वर्मा द्वारा किया गया। इस शोध के निष्कर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित शोध पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं, जो टिकाऊ

सामग्री के क्षेत्र में आईआईटी भिलाई के बढ़ते योगदान को दर्शाते हैं। इस विकसित तकनीक के लिए शोधकर्ताओं ने भारतीय पेटेंट आवेदन भी दायर किया है। बोतलें विश्वभर में सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक उत्पादों में शामिल हैं, विशेषकर पेय पदार्थों की बोतलों और खाद्य पैकेजिंग में। इनसे प्रतिवर्ष लाखों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है। यद्यपि इनका पुनर्चक्रण किया जाता है, लेकिन पारंपरिक पुनर्चक्रण तकनीकों में प्लास्टिक की गुणवत्ता धीरे-धीरे कम होती जाती है, जिससे इसका दोबारा उपयोग सीमित हो जाता है। इस चुनौती का समाधान करने के लिए आईआईटी भिलाई की शोध टीम ने सबसे पहले नीलगिरी की पत्तियों से एक हरित, पुनः उपयोग योग्य उत्प्रेरक विकसित किया। यह उत्प्रेरक अपशिष्ट बोतलों को एक मूल्यवान रासायनिक बिल्डिंग ब्लॉक में परिवर्तित करता है। उत्प्रेरक को चुंबक की सहायता से आसानी से अलग कर पुनः कई बार उपयोग किया जा सकता है, जिससे पुनर्चक्रण प्रक्रिया अधिक स्वच्छ, टिकाऊ और किफायती बनती है। इसके बाद इस रासायनिक निर्माण खंड को एक उच्च-प्रदर्शन, पुनः संसाधित एवं संभावित 3ष्ठ प्रिंट योग्य गतिशील पॉलिमर में परिवर्तित किया जाता है। यह तकनीक फेंकी गई बोतलों को पर्यावरणीय बोझ से मूल्यवान इंजीनियरिंग सामग्री में बदलकर वेस्ट-टू-वेल्थ की अवधारणा को साकार करती है।

720 ग्राम के नवजात ने जीती जिंदगी की जंग, 1.4 किलो वजन के साथ स्वस्थ होकर घर लौटा

दुर्ग। कुठरेल ग्राम निवासी पल्लवी और अतुल साहू के यहां छठे माह में जन्मे महज 720 ग्राम वजन के अति-समयपूर्व नवजात ने एसएनसीयू दुर्ग में दो माह से अधिक समय तक चले गहन उपचार के बाद जिंदगी की जंग जीत ली। दुर्ग जिला अस्पताल में ही जन्मे इस नवजात को जन्म के समय गंभीर श्वसन संकट था। उपचार के बाद आज 1.4 किलोग्राम वजन के साथ सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया। एसएनसीयू में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. वाई. किरण कुमार ने जन्म के शुरुआती समय में ही फेफड़ों में सर्फेक्टेंट देकर वेंटिलेटर सपोर्ट शुरू किया। उपचार

वाई. किरण कुमार की निगरानी में चला। इलाज के दौरान नवजात को आवश्यकतानुसार उच्च श्रेणी की एंटीबायोटिक्स, कैफीन, सीपीएपी सपोर्ट एवं कई बार पीआरबीसी रक्त चढ़ाया गया। उपचार के दौरान नवजात में आरओपी (रेटिनोपैथी ऑफप्रीमैच्योरिटी) विकसित होने पर आंखों में आवश्यक एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन भी दिया गया। नवजात की सफल रिकवरी में डॉ. आशीष साहू, डॉ. पूजा पांडे, डीएनबी रेजिडेंट डॉ. हेमंत एवं डॉ. सौरभ, एसएनसीयू सिस्टर इंचार्ज कीर्ति निर्मलकर सहित समस्त नर्सिंग स्टाफ एवं वार्ड आया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चिकित्सकों के अनुसार, ऐसे अत्यंत कम वजन वाले समयपूर्व नवजातों के उपचार में कंगारू मदर केयर (केएमसी) बेहद महत्वपूर्ण है। मां पल्लवी द्वारा नियमित केएमसी एवं उपचार में निरंतर सहयोग ने भी नवजात के स्वस्थ होने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

देर रात तक लोगों ने रफी के गीतों का आनंद लिया

कुम्हारी। भारतीय सिने जगत में संगीत और गीत में अपने मधुर आवाज से लोगों को अपना दीवाना बनाने वाले संगीत जगत के अमर गायक मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रेस क्लब ऑफ़ कुम्हारी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य आयोजन किया गया इस वर्ष यह आयोजन स्थानीय कलाकारों के कराओके म्यूजिकल ग्रुप के साथ मिलकर मो. रफी को उनके गीतों के माध्यम से श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की भव्यता को देखते हुए इस बार इस आयोजन को ग्रीन पार्क में रखा गया था। आयोजन में अतिथि के रूप में नगरपालिका परिषद कुम्हारी की अध्यक्ष मीना वर्मा उपाध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत समाजसेवी ललित अग्रवाल (रायपुर) एवं पत्रकार ललित साहू (दुर्ग) उपस्थित थे । सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने मो. रफी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की कार्यक्रम की शुरुआत मो. रफी के अमर गीत तुम मुझे यूँ भुला न पाओगे थीम सांग से हुई जिसे किशन राठौड़ ने अपने सुमधुर स्वर में गाकर संगीत यात्रा का शुभारम्भ किया । इसके पश्चात नगर के प्रतिभाशाली गायकों ने जिनमे डॉ. अविनाश गुप्ता, रामकुमार सोनी, अशोक राठी, अर्नब सूर, प्रकाश गज्जर, अंजना सिंह, अवधेश शुक्ला, संजय श्रीवास्तव, के. रवि, धर्मेन्द्र राव, के. प्रकाश, संतोष सोनी, राजेश निषाद, मो. रऊफ जितेंद्र कुशवाहा, शैलेन्द्र खरे एवं रविन्द्र कुमार थापा ने अपने गायन कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन में रायपुर से पधारे समाजसेवी ललित अग्रवाल ने अपनी उम्दा प्रस्तुति से श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी। देर रात तक चले इस सुरीले संगीत का आनंद लेते हुए बड़ी संख्या में श्रोताओं ने अपनी उपस्थिति दी। कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष विक्रम शाह ठाकुर ने किया। कार्यक्रम के अंत मे सभी प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस संगीतमय आयोजन में रायपुर, दुर्ग और भिलाई के पत्रकार भी उपस्थित रहे।

पावर हाउस सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग के खिलाफ निगम की कार्रवाई, वाहन किए गए जब्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा सडक किनारे होने वाली अवैध पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम के जोन 3 राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा पावर हाउस सर्विस रोड पर अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफकार्रवाई की गई। पावर हाउस सर्विस रोड पर सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े किए जाने के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा था। इसके साथ ही सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग के कारण यातायात बाधित होने तथा दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। नागरिकों की सुविधा एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान सड़क पर अवैध रूप से

खड़े वाहनों को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहनों को पुलिस प्रशासन के सहयोग से थाना छावनी पहुंचाया गया। निगम प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक सड़कों, सर्विस रोड एवं यातायात प्रभावित करने वाले स्थानों पर अपने वाहन खड़े न करें। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात व्यवस्था को बाधित करने वाली अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। नागरिकों से अपील है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थल का ही उपयोग करें और सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न न करें।

ज्ञानेश्वरी यादव ने राष्ट्रमंडल खेलों में रजत जीतकर बढ़ाया छत्तीसगढ़ का गौरव : भाजयुमो बेमेतरा

बेमेतरा। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल-2026 की महिलाओं की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव को भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय वर्मा एवं महामंत्री गौरव यदु ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश्वरी की यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है और प्रदेश की युवा शक्ति के लिए नई प्रेरणा बनकर उभरी है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष विजय वर्मा ने कहा कि अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 199 किलोग्राम भार उठाकर रजत पदक जीतना ज्ञानेश्वरी यादव की वर्षों की कठोर साधना, अनुशासन, आत्मविश्वास और अदम्य इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि समर्पण और निरंतर मेहनत के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। ज्ञानेश्वरी यादव को 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद प्रदान करने की घोषणा राज्य सरकार की खेल एवं

खिलाड़ियों के प्रति सकारात्मक सोच को दर्शाती है। यह निर्णय प्रदेश के हजारों खिलाड़ियों में नया उत्साह और आत्मविश्वास पैदा करेगा। एशियाई खेल एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का तिरंगा बुलंद करते हुए छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाती रहेंगी। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को सम्मान देना और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराना ही विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री गौरव यदु ने कहा कि मुख्यमंत्री साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। इससे प्रदेश के युवाओं में रुचि बढ़ेगी। गौरव यदु ने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता हासिल की है।

1 करोड़ 97 लाख 08 हजार का भूमिपूजन

बिना भेद भाव के हो रहा रिसाली में विकास : विधायक ललित

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड क्र. 22 मैत्रीकुंज, 23 प्रगतिनगर रिसाली, 24 आजाद मार्केट, 25 आशीष नगर में विकास कार्य आरंभ कराने दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा पहुंची। उन्होंने 01 करोड़ 97 लाख 08 हजार का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि रिसाली निगम क्षेत्र में बिना भेद भाव के कार्य स्वीकृत कराया गया और वें कार्य आरंभ कराने प्रत्येक वार्ड तक पहुंच रहे है। उन्होंने कहा कि रिसाली में एक नई सोच और नया दिशा की कल्पना करके वें प्रत्येक वार्ड तक पहुंच रहे है। भूमिपूजन कार्यक्रम की शुरूआत पुरैना से शुरू कर शनिवार को चार पॉश कॉलोनी तक पहुंचे है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी है। वे पार्षद से लेकर महापौर,

विधायक व सांसद के रूप में प्रतिनिधि चुनते है। यही प्रतिनिधि विकास कार्य के लिए एक महज माध्यम बनते है। क्षेत्र में जितने भी विकास कार्य हो रहे है वो आमजनों की मांग रहती है। यही कारण है कि आज भूमिपूजन के अवसर पर सारे विकास कार्य जनता को समर्पित कर रहे है। इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि विधायक जी विकास कार्य करा रहे है। उनके लिए उन्हें रिसाली निगम बधाई देता है। उन्होंने आग्रह किया कि छुटे हुए कार्य को भी शासन स्तर पर जल्द स्वीकृत कराएं। कार्यक्रम को निगम के नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महापौर परिषद के सद्स्य जहीर अब्बास, पार्षद रमा साहू, मनीष यादव, धर्मेन्द्र भगत, शीला नारखेड़, माया यादव, गजेन्द्र कोठारी, ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, सीमा साहू, सविता ढवस समेत मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू व राजू जंघेल आदि उपस्थित थे।

नागरिकों ने किया अभिनंदन-वार्ड 25 आशीष नगर के सड़क 15 ए में नागरिकों ने विधायक व महापौर का अभिनंदन किया। नागरिकों ने 21 किलो वजनी गेंदे की माला पहना कर शाल भेंट की। इसी तरह वार्ड 23 प्रगतिनगर में वरिष्ठ नागरिकों ने विधायक व महापौर का नागरिक अभिनंदन किया।

यहां होंगे विकास कार्य-वार्ड 22 मैत्रीकुंज में पॉथवे निर्माण, नाली निर्माण, सड़क चैड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए विधायक व महापौर ने 53.58 लाख का भूमिपूजन किया। इसी तरह वार्ड 23 प्रगतिनगर में 60.44 लाख, वार्ड 24 में 32.77 लाख तथा वार्ड 25 में 50.29 लाख का भूमिपूजन किया गया।

भिलाई निगम की स्वावलंबन एवं महिला समृद्धि बाजार योजना के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची जारी

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मुख्यमंत्री स्वावलम्बन योजना के अंतर्गत 25 दुकान एवं 08 चबूतरा तथा महिला समृद्धि बाजार योजना के अंतर्गत 06 दुकानों का योजनावार विभिन्न स्थलों पर रिक्त दुकानों का संवर्गवार लॉटरी के माध्यम से किरायेदारी पर आबंटन किया जाना है। इसके लिए इच्छुक आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। निगम द्वारा आवेदन प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तिथि 30 जून 2026 रखी गई थी। निर्धारित तिथि तक पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण निगम प्रशासन द्वारा आवेदन की तिथि में वृद्धि करते हुए 25 जुलाई 2026 तक कर दिया गया था। विस्तारित अंतिम तिथि तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर अब प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मुख्यमंत्री स्वावलम्बन योजना के अंतर्गत प्राप्त कुल आवेदनों की सूची दावापत्ति के लिए निगम मुख्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995